आरोग्य पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष–2, अंक–10 अक्टूबर, 2023

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

गुरु श्री गोरखनाथ की पावन धरा गोरखपुर में स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की स्थापना सन् 2009 में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं वर्तमान में हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी के कर कमलों द्वारा की गई। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में सर्वप्रथम नर्सिंग पाठ्यक्रम एएनएम एवं जीएनएम की शुरुआत हुई।

इसका प्रथम उद्देश्य प्रशिक्षुओं में नर्सिंग की पढ़ाई के साथ-साथ नैदानिक अभ्यास तथा नर्सिंग का अनुभव प्रदान करना था। इसके द्वारा आठ वर्षों तक अनवरत एएनएम व जीएनएम का पाठ्यक्रम संचालित रहा, तदोपरान्त माननीय कुलाधिपति महोदय के संकल्प एवं परिकल्पना से 28 अगस्त 2021 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की स्थापना हुई जिसके अंतर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग भी संचालित होने लगा। तत्पश्चात् नर्सिंग कालेज में नए पाठ्यक्रमों के क्रम में बीएससी नर्सिंग और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग के साथ-साथ एमएससी नर्सिंग संचालित किए जाने लगे।

नर्सिंग कॉलेज में पठ्न-पाठन, शिक्षा गुणवत्ता एवं ख्याति देखते हुए विभिन्न राज्यों से प्रवेश हेतु आवेदन प्राप्त होते है इसको दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र (2023-24) में 60 सीटों को बढ़ाकर 100 सीटें कर दी। नर्सिंग कॉलेज में विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सीय क्षेत्र में भी निपुण बनाने का पूरा प्रयास किया जाता है। यहां शैक्षणिक कार्यकलापों के साथ समय-समय पर संगोष्ठी, अतिथि व्याख्यान, ग्राम जागरूकता अभियान आदि आयोजनों में विद्यार्थियों को प्रतिभाग कराकर प्रशिक्षित किया जाता है, जिसके द्वारा विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है।

नर्सिंग कॉलेज आधुनिक प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है जिसमें मुख्य रूप से नर्सिंग फाउंडेशन लैब, कम्युनिटी लैब, कंप्यूटर लैब, ऑब्सटेट्रिक एंड गाइनोक्लोजिक लैब, एडवांस स्किल लैब, चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग लैब है इसके अतिरिक्त समय-समय पर प्रदर्शनी एवं सिमुलेशन विधा से भी छात्राओं को प्रशिक्षित किया जाता है। हमारी शिक्षा पद्धति, निस्वार्थ सेवाभाव को देखते हुए 'उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी' द्वारा यूपी में नर्सिंग की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए चल रहे मिशन निरामया प्रोग्राम में12 मेंटोर इंस्टीट्यूट में पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग को प्रथम स्थान दिया गया है।

हमारे मेंटर इंस्टीट्यूट (नर्सिंग कॉलेज) के अंतर्गत कुल 6 मेंटी इंस्टीट्यूट है जिसमें हम समय-समय पर जाकर निरीक्षण करते है तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण देते है। विश्वविद्यालय में संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग **'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया'** की संकल्पना पर सदैव अग्रसर रहेगा जो भविष्य में सभी को निरोगी रखने में सहायक सिद्ध होगा। सभी आधारभुत सुविधाओं से सम्पन्न एवं रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आपका स्वागत, वंदन एवं अभिनन्दन है।

विजयादशमी

दशहरा अथवा विजयादशमी सनातन धर्म का एक विशिष्ट उत्सव है। प्रतिवर्ष अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। प्रभु श्री राम ने इसी दिन रावण का वध किया तथा माँ दुर्गा ने नौ रात्रि एवं दस दिन के युद्धोपरांत महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। यह पर्व असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिये इस आश्विन के शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को 'विजयादशमी' के नाम से जाना जाता है।

इस दिन प्रतिवर्ष शस्त्र-पूजा एवं नए कार्य का शुभारंभ करते हैं-जैसे अक्षर लेखन, नए उद्योग की स्थापना, बीज बोना आदि। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो कार्य आरम्भ किया जाता है उसमें विजय मिलती है। प्राचीन काल से ही सम्पूर्ण भारत में इस दिन जगह-जगह पर मेले आयोजन किया जाता है, रामलीला का आयोजन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है। दशहरा अथवा विजयादशमी भगवान श्री राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा माँ दुर्गा पूजा के रूप में, दोनों ही रूपों में यह शक्ति व उपासना का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। यह हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक एवं शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता का संचार हो इसलिए दशहरे की प्रासांगिकता है। दशहरे के पर्व दस प्रकार के पापों, काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सद्प्रेरणा प्रदान करता है।

दशहरे का सांस्कृतिक महत्व यह भी है की जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग की कोई व्याख्या नहीं होती। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता है। समस्त भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इस अवसर पर 'सिलंगण' के नाम से सामाजिक महोत्सव का आयोजन होता है। सायंकाल के समय पर सभी ग्रामवासी सुंदर-सुंदर नव वस्त्रों से सुसज्जित होकर गाँव की सीमा पार कर शमी वृक्ष के पत्तों के रूप में 'स्वर्ण' लूटकर अपने ग्राम में वापस आते हैं। फिर उस स्वर्ण का परस्पर आदान-प्रदान किया जाता है। यह उत्सव हर मायने में विशेष है।

इस पर्व को भगवती के ''विजया'' नाम पर भी 'विजयादशमी' कहते हैं। इस दिन भगवान रामचंद्र चौदह वर्ष का वनवास भोगकर तथा रावण का वध कर अयोध्या पहुँचे थे। इसलिए भी इस पर्व को 'विजयादशमी' कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय 'विजय' नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।

!! जय श्री राम !!

!!सभी सुखी हों एसभी निरोगी,सब पर वर्षे राम कृपा,
मंगलमय हो सबका जीवन, घर-घर वर्षे राम कृपा !!

जय हिन्द, जय भारत !!

- सम्पादक

प्रकाशक : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

स्वच्छांजलि एवं श्रद्धांजलि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

स्वैच्छिक श्रमदान हेतु रैली में विद्यार्थी एवं माननीय कुलपति जी

दिनांकः **01 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी की अध्यक्षता व अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह जी के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को 'स्वच्छांजलि' के साथ श्रद्धांजलि देने हेतु 'गांधी जयंती' की पूर्व संध्या पर आयोजित पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत 'स्वच्छता के लिए एक घंटे के श्रमदान' का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अनुशासित रैली के माध्यम से स्वच्छता संबंधी जानकारी साझा की।

इस रैली में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के स्वच्छता संबंधी स्लोगन एवं चित्रों को भी प्रस्तुत किया, जिनसे जनमानस को स्वच्छ वातावरण एवं उसका प्रभाव, भविष्य के लिए स्वच्छ वातावरण का सरंक्षण आदि के बारे में सुगमता से जागरूक किया जा सके। विद्यार्थियों द्वारा बालापार स्थित विभिन्न गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत विविध क्रियाकलापों द्वारा आसपास में व्याप्त गंदगी, कूड़े. कचरे आदि को साफ किया गया। विद्यार्थियों द्वारा ग्रामीणों को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए भी प्रेरित किया गया।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे जी ने अपनी देखरेख में सकुशल संपन्न कराया। जिसमें विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, सुश्री प्रियांशी, श्री अनिल मिश्रा, डॉ. कीर्ति यादव आदि उपस्थित रहें।

स्वच्छता अभियान (एक तारीख, एक घंटा)

राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः **01 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न ईकाइयों के द्वारा एवं माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को 'स्वच्छांजलि' के साथ श्रद्धांजलि देने हेतु 'गांधी जयंती' की पूर्व आयोजित पखवाड़ा दिवस के अंतर्गत 'स्वच्छता के लिए एक घंटे के श्रमदान' का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम प्रातः माँ पाटेश्वरी सेवाश्रम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में महिला छात्रावास में स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन हुआ जिसमें छात्रावासी छात्राओं ने स्वच्छता हेतु शपथ लिया। इसके उपरांत छात्रावास की स्वयंसेविका एवं छात्राओं ने अपने छात्रावास परिसर की सफाई का कार्य बड़े मनोयोग के साथ किया। समस्त कार्यक्रम छात्रावास अधीक्षिका सुश्री प्रियांशी एवं सह–अधीक्षिका श्रीमती प्रज्ञा पाण्डेय आदि के निर्देशन में संपन्न हुआ।

इसी क्रम में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित पुरूष छात्रावास, आयुष वाटिका, कॉलेज परिसर और पंचकर्मा में सफाई कराया गया। महात्मा गाँधी भारत के स्वच्छता आन्दोलन के अग्रदूत थे। स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाते हुए उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त कराया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, डॉ. देवी आर नायर, डॉ शंकर दयाल उपाध्याय सहित प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का संचालन महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जशोबन्त डनसना द्वारा सम्पन्न कराया गया।

वहीं दूसरी तरफ कृषि संकाय

एक तारीख, एक घण्टा स्वच्छांजलि अभियान में विश्वविद्यालय परिवार

के अधिष्ठाता डॉ विमल कुमार दूबे के संचालन में 'स्वैच्छिक श्रमदान' के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया ।

स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि संकाय के समस्त छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर एवं महुआतर स्थित श्रमिक बस्ती में सफाई का कार्य बड़े ही मनोयोग से किया। स्वैच्छिक श्रमदान द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को 154वीं जयंती पर के रूप में श्रद्धांजली दी गयी।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के देखरेख में सम्पन्न हुआ जिसमें कषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. हरि कृष्ण, डॉ. आयुष कुमार पाठक, डॉ. प्रवीण सिंह व कृषि संकाय के समस्त विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

जंयती समारोह

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर विद्यार्थीय सम्बोधन

दिनांकः **02 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में आयुर्वेद कॉलेज, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ ईकाइ एवं महायोगी आदिनाथ इकाई के संयुक्त तत्वाधान में 2 अक्टूबर को महात्मा गाँधी जी की 154वीं जयन्ती, लाल बहादुर शास्त्री जी की 119वी जयन्ती, युग पुरूष ब्रम्हलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54वीं पुण्यतिथि एवं राष्ट्र सन्त ब्रम्हलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने युग पुरूष ब्रम्हलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54वीं पुण्यतिथि पर व्याख्यान देते हुए कहा कि महन्त दिग्विजयनाथ जी दूरद्रष्टा संत होते हुए भी एक कुशल राजनितिज्ञ महान शिक्षाविद, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की बुनियाद रखी जिसके अधीन संचालित विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक, विश्वविद्यालय आदि के द्वारा शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य अनवरत जारी है।

उन्होंने दिग्विजयनाथ जी, महन्त अवेद्यनाथ जी, लाल बहादूर शास्त्री एवं महात्मा गाँधी जी के जीवन परिचय से अवगत कराया।

महात्मा गाँधी जी के जीवन परिचय का बोध कराते हुए कहा कि महात्मा गाँधी एक महान समाज सुधारक, स्वच्छता प्रेमी और स्ववंत्रता आन्दोलन के अग्रदूत थे। उनके द्वारा आरम्भ किये गये सभी आन्दोलन राष्ट्रीय आन्दोलन के साथ–साथ जन आन्दोलन बन गये। जिसमें युवा, बाल, वृद्ध सभी ने भाग लिया और देश को स्वतंत्र कराया।

इस अवसर पर बीएएमएस के प्रथम एवं द्वितीय व्यवसायिक सत्र के विद्यार्थियों ने भी महापुरूषों पर अपने–अपने विचार रखें। जिसमें मोनी कुमारी ने महात्मा गाँधी जी पर अंशिका गुप्ता ने लाल बहादुर शास्त्री जी पर, सुधीर कुशवाहा ने महन्त अवेद्यनाथ जी पर, आशीष चौधरी ने स्वच्छ भारत पर भाषण दिया।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कॉलेज के शैक्षणिक प्रमुख डॉ. नवीन के ने कहा कि सभी महापुरूषों के जीवन से सीख लेते हुए उनके विचारों को हमे दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए जिससे हम स्व उन्नति के साथ–साथ राष्ट्रोन्नति कर सकते है। इस कार्यक्रम की तभी सार्थकता सिद्ध होगी।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस छात्रा कोमल गुप्ता आभार ज्ञापन डॉ. गोपी कृष्णा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रज्ञा सिंह एवं महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

2 अक्टूबर गाँधी जयंती के अवसर पर 'हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद' विषय पर पोस्टर और 'कुकिग विदआऊट फायर' विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में शीतल त्रिपाठी ने प्रथम स्थान, प्रितान्जली द्वितीय स्थान एवं पल्लवी गुप्ता तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुकिग विदआऊट फायर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ईश्वरचन्द समूह, द्वितीय स्थान आशमा समूह एवं तृतीय स्थान हिमांशु समूह ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. व समस्त शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

परेड अभ्यास : एनसीसी

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांकः **02 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अतर्गत संचालित राष्ट्रीय कैडेट्स कोर (एनसीसी) में चयनित सभी कैडेट्स की परेड हुई। तदोपरांत उनके द्वारा 'नशा विरोधी जागरूकता अभियान' कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी कैडेट्स ने पोस्टर बनाकर, नारे लिखकर केंद्रित विषय 'नशा मुक्ति' पर सन्देश दिया तथा इनके दुष्परिणाम के बारे में जागरूक किया। लोगो को नशे से मुक्ति के प्रति जन जागरण करने का संकल्प लिया। एनसीसी अधिकारी डॉ. हरी कृष्ण एवं सी. टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न हुआ। नशा मुक्ति पोस्टर एवं स्लोगन लेखन में कैडेट्स ने केंद्रीय विषय पर पोस्टर को चित्रित किया। परेड में प्रमुख रूप से सागर जायसवाल, मोतीलाल, अनुभव, खुशी गुप्ता,

परेड का अभ्यास करते कैडेट्स।

और निधि साहनी आदि कैडेट्स की सहभागिता रही।

दीक्षा पाठ्यचर्या के उद्घाटन समारोह में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री सुब्बा राव जी एवं डॉ. जी. एस. तोमर जी।

श्री सुब्बा राव जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते माननीय कुलपति जी डॉ. जी.एस. तोमर जी को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते माननीय कुलपति जी

दिनांकः **04 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में नव प्रवेशित बीएएमएस सत्र–2023–24 'वाग्भट्ट बैच' का दीक्षा पाठ्यचर्या कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय में संचालित फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के प्रथम बैच का दीक्षा आरंभ का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. जी. एस. तोमर, पूर्व प्राचार्य एवं अधिष्ठाता, श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया। अपने उद्बोधन में डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की आप ने यहाँ अपने आप प्रवेश नही लिया है यह आपका सौभाग्य है कि आप भगवान गुरु गोरक्षनाथ नाथ की इस पावन भूमि पर शिक्षा ग्रहण करने आएं है। जहां आपको विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। आयुर्वेद में जीवाणु से संक्रमित व्याधियों और उनके निदान का वर्णन है।

आयुर्वेद हमारे प्रतिदिन का विज्ञान है जिसे जानकर समझ आप निरोगी रह कर सुखी जीवन जी सकते हैं। श्री सुब्बा राव पूर्व वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा की आप भारत वर्ष के सर्वोच्च विश्वविद्यालय में आये हैं इसमें कोई संदेह नही है। यहाँ आपको उच्चकोटि की शिक्षा व्यवस्था मिलेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के नेतृत्व में आप सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे जरूरत है आपके सतत् प्रयास, परिश्रम करने की।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अतुल बाजपेई ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वागत करते हुए कहा ये विश्वविद्यालय आप का है आपको यहां पठन–पाठन एवं शोध कार्य से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाएगी।

फार्मास्यूटिकल के प्राचार्य डॉ. शशिकांत जी ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा ये 4 साल आपके जीवन के तपस्या के दिन है अगर आप इस अवधि में तप परिश्रम करेंगे तो आगे जीवन की राह सुगम हो जाएगी।

कार्यक्रम मे स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने और आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ. पीयूष वर्षा ने किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस प्रथम वर्ष के सुश्रुत बैच के छात्रों ने किया कार्यक्रम में प्रो. हर्ष सिन्हा आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. अश्विनी कुमार मिश्रा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर विद्यार्थी एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित सभी प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — द्वितीय दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस

दिनांक: **05 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) गोरखपुर के 'वाग्भट्ट बैच, सत्र– 2023–24' सत्र के दीक्षा पाठ्यचर्या के द्वितीय दिन बीएएमएस विद्यार्थियों को संबोधित करने हेतु महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर के परीक्षा नियंत्रक डॉ. सी. के. राजपूत पधारे।

डॉ. राजपूत ने अपने उद्बोधन मे कहा की आप यहाँ चिकित्सक बनने आये हैं। अच्छा वैद्य बनने के लिए आपको अपने पाठ्यक्रम की पूर्ण जानकारी, सतत अध्ययन, प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता होती हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में वैद्य, औषधि, परिचारक और रोगी यह चारों ही महत्वपूर्ण स्तम्भ की तरह होते हैं। इनके श्रेष्ठ गुणों का संहिताओं मे वर्णन मिलता है। किसी एक भी गुण के लोप होने पर चिकित्सा मे पूर्ण सफलता प्राप्त नही होती हैं। इन चारों मे भी वैद्य सर्वोच्च होता है जिसके दिशा निर्देश पर सब कार्य करते हैं। औषध भी रस, गुण, वीर्य, विपाक आदि से पूर्ण होने पर चिकित्सा कार्य मे सिद्धि देने वाली होती हैं।

परिचारक वैद्य के निर्देश पर कार्य करने वाला और रोगी के प्रति करुणा रखने वाला और रोगी अपने लक्षणों को बताने वाला, सहनशील हो तो चिकित्सा आसान होती हैं। चिकित्सा कार्य मे सफल होने के लिए मानव शरीर के शरीर रचना व शरीर क्रिया का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही आप आयुर्वेद चिकित्सक बनना चाहते हैं तो बिना संहिता ज्ञान के सम्भव नहीं है। संहिताओ के अध्ययन हेतु संस्कृत ज्ञान भी अति आवश्यक है। अतः प्रथम व्यावसायिक सत्र के सभी विषयों के अध्ययन में अभी से तत्पर रहें। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस, कक्षा समन्वयक डॉ. पीयूष वर्षा सहित शिक्षक उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या में सम्बोधित करते डॉ. सी.के. राजपूत जी।

रक्तदान शिविर — राष्ट्रीय सेवा योजना

रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति जी

दिनांक: **05 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डेंगू के प्रकोप के कारण हुई रक्त की कमी को देखते हुए समाज सेवा को समर्पित,रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस चिकित्सालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई ने चिकित्सालय में स्थापित बाबा गोरखनाथ जी की पूजा अर्चना के बाद द्वीप प्रज्ज्वलन कर प्रारंभ किया माननीय कुलपति जी के द्वारा शिविर उद्घाटन के उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. एवं महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के संरक्षक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा रक्तदान दिया गया। इसके उपरांत विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक एवं कर्मचारी ने रक्तदाता के रूप में कड़ी ही लगा दी।

शिविर की अगली कड़ी में सर्वप्रथम आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थियों ने रक्तदान किया उसके अगले चरण में संबंध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने रक्तदान किया एवं मध्यावकाश के उपरांत गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग एवं महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी एवं स्वयं सेवकों ने रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ का हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर की समाप्ति के समय कुल 51 यूनिट ब्लड गुरू श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक एवं कंपोनेंट्स सेंटर को समाज सेवा के लिए समर्पित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के समस्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जशोबंत डनसना, श्री धनंजय पांडे, सुश्री सत्यभामा, सुश्री खुशबू डॉ. विकास कुमार यादव राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ डॉ. हरि कृष्ण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कामिनी चौरसिया, अमन, विष्णु, अशोक, यशवीर, सिमरन यादव, मीनाक्षी सिंह, शुभम, अभिजीत, हर्षिता, मृदुल, प्रदीप ने शिविर को संपन्न कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ. जी. के. मिश्रा एवं समस्त कर्मचारियों ने के सहयोग से शिविर सकुशल संपन्न हुआ।

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देते डॉ. विमल मोदी जी

दीक्षा पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. राज किशोर जी

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. प्रदीप कुमार राव जी

डॉ. राज किशोर जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. नवीन के.

दिनांकः **06 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज) में नव प्रवेशित बीएएमएस वाग्भट्ट सत्र के (2023.2024) विद्यार्थियों के दीक्षा पाठ्यचर्या के तृतीय दिन प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने 'हम हमारा जीवन, जीवनोपदेश्य' विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि जीवन की पहली शर्त है समय पालन, जो आपके जीवनपथ को बहुत सुगम बनाता है। जब आप समय के अनुसार चलेंगे तो समय आपके अनुसार चलेगा। अतः समय को अपना मित्र बनाये, समय का सम्मान करें। तभी आपका जीवन आसान होगा और यही इस विश्वविद्यालय का ध्येय हैं।

द्वितीय सत्र मे बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के 'प्रोफेसर डॉ. राज किशोर' ने 'इंट्रोडक्शन ऑफ मॉडर्न' भी मॉडर्न मेडिसीन को ही है। आपको आयुर्वेद में शोध आधारित प्रमाणिकता को सिद्ध करके अपनी प्राचीन उपचार को भविष्य में क्रियान्वित करना होगा, तभीा हम आयुर्वेद को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उत्तम सिद्ध कर पाएंगे। विश्व ने योग की प्रामाणिकता को स्वीकार किया है किन्तु आयुर्वेद को अभी उस दृष्टि से महत्ता नहीं मिली है और यह अपने–आप में एक विचारणीय प्रश्न है। 1997 में युवाओं पर सर्वे करके निष्कर्ष निकाला गया की 15 मिलियन युवा बिना किसी चिकित्सीय परामर्श के आयुर्वेदिक दवाओं का प्रयोग करते हैं जिसके कारण जो औषधियों के परिणाम दिखाने चाहिए वो नही मिल पाते। अमेरिका आदि देशों मे जो योग्यता के आधार पर प्रमाणिकता सिद्ध होती है, इसलिए हमको भी एविडेन्स बेस प्रैक्टिस एवं शोध कार्य करने की आवश्यकता है। तभी हम अपने को सिद्ध कर आगे बढ़ सकते हैं।

कार्यक्रम के तृतीय सत्र में आरोग्य मंदिर के निदेशक एवं स्कूल ऑफ नेचरोपैथी के प्राचार्य, श्री विमल मोदी, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लाइफ स्टाइल डिसऑर्डर आज के समय की बहुत बड़ी समस्या है मॉडर्न पैथी इसको ठीक करने के उपाय नहीं बताते बस लक्षणों के आधार पर चिकित्सा करते हैं। आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा से हम इस तरह की व्याधियों से बच सकते है। प्रकृति हमारी माँ है माँ कभी अपनी संतान को क्षति नही पहुँचती। इसलिए जरूरत है प्रकृति के निकट रहने की। शरीर बहुत सी कोशिकाओं का समूह है कोशिकाएं केवल लाभदायक तत्वों को ग्रहण करती है। शरीर मे अशुद्धियों को बाहर निकलने के चार मार्ग है पहला मल मार्ग इसके लिए फाइबर युक्त भोजन उपयोग करें। द्वितीय मूत्र मार्ग इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं, तृतीय स्वेद मार्ग इसके लिये वातानुकुलित आदि उपकरणों से बचे स्वेद निकले, व्यायाम स्वेद द्वारा अशुद्धि निकलने का उत्तम उपाय है, चतुर्थ श्वास इसके लिए प्राणायाम करे। स्वस्थ रहने के लिए गुड़, चोकर वाली रोटी, अंकुरित दालों, मोटा अनाज खाये। डिब्बा बंद भोज्य पदार्थ, मैदा, कैमिकल लगे फल सब्जियों के प्रयोग से बचे। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, आचार्य डॉ. नवीन सह आचार्य डॉ. पीयूष वर्षा, सह आचार्य डॉ. विन्नम शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित वाग्भट्ट बैच के सभी विद्यार्थी उपस्थित हुए।

दीक्षा पाठ्यचर्या — चतुर्थ दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देती डॉ. अर्पणा पाठक जी

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. के. के. द्विवेदी जी

दिनांकः **07 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में नव प्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के दीक्षा पाठ्यक्रम में प्रातः कालीन सत्र के व्याख्यान कार्यक्रम में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य विषय पर डॉ. अपर्णा पाठक ने व्याख्यान देते हुए कहा एक स्वस्थ जीवन के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों की जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है इसलिए हम अपने शरीर को आयुर्वेद शास्त्र में बताए हुए दिनचर्या और ऋतुचर्या के नियमानुसार आहार–विहार का पालन करके शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं है शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य की भी आवश्यकता है इसलिए हमें जीवन में योग को भी अपनाना चाहिए।

दीक्षा पाठ्यचर्या के अगले सत्र में व्यक्तित्व के विकास व्याख्यान देते हुए जीवक आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के काय चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. के. के. द्विवेद्वी ने कहा कि व्यक्तित्व विकास का तात्पर्य समग्र विकास के लिए किसी के गुणों को बढ़ाना है। यह संचार, नेतृत्व कौशल में सुधार और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के बारे में है। एक मजबूत व्यक्तित्व आत्मविश्वास बढ़ाता है। यह हमें चुनौतियों का सामना करने और सफलता प्राप्त करने में मदद करता है। व्यक्तित्व विकास एक सतत् प्रक्रिया है। यह हमें स्वयं को सर्वोत्तम बनाने में मदद करता है, जिससे हम जीवन में अधिक अनुकूलनीय और सफल बनते हैं।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, आचार्य डॉ. नवीन सह आचार्य डॉ. पीयूष वर्षा, सह आचार्य डॉ. विन्रम शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित वाग्भट्ट बैच के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — पंचम दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

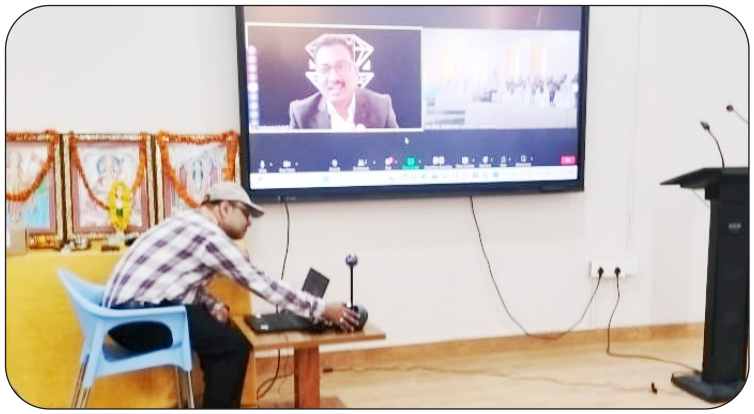

वर्चुअल विधि से सम्बोधित करते डॉ. विवेकानंद कुलोली जी

दिनांकः **09 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या के पंचम दिन के सत्र में ऑनलाइन व्याख्यान मे अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. विवेकानंद कुलोली, संस्थापक एवं सीईओ आयुर्परेनेउर एकेडमी ने वाग्भट्ट बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उद्यमिता विषय व्याख्यान देते हुए कहा कि जीवित रहने के लिए पैसा कमाना आवश्यक होता है। जो कर्मचारी हैं तथा वेतन अथवा मजदूरी से आय प्राप्त करते हैं। यह मजदूरी द्वारा रोजगार कहलता है। दूसरी ओर एक दुकानदार, एक कारखाने का मालिक, एक व्यापारी, एक डॉक्टर जिसका अपना दवाखाना हो इत्यादि अपने व्यवसाय से जीविका उपार्जित करते हैं। ये उदाहरण हैं स्वरोजगार करने वालों के। फिर भी कुछ ऐसे भी स्वरोजगारी लोग हैं, जो न केवल अपने लिए कार्य का सृजन करते हैं बल्कि अन्य बहुत से व्यक्तियों के लिए कार्य एवं उपागम की व्यवस्था करते हैं। ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण है– टाटा, बिरला आदि जो प्रवर्तक तथा कार्य की व्यवस्था करने वाले तथा उत्पादक दोनों हैं। इन व्यक्तियों को उद्यमी कहा जा सकता है। आप आयुर्वेद के विद्यार्थियों को आयुर्वेद के विषय का पूर्ण ज्ञान करके कौशल का विकास करें। आयुर्वेद के क्षेत्र में आप आयुर्वेद मेंटर के रूप में कार्य कर सकते है। अपना लक्ष्य निर्धारित करे और आयुर्वेद को कृषि आदि अन्य विभागों से जुड़ कर कार्य कर सकते हैं। अवसर चारो ओर है जरूरत है आपको ध्यान केंद्रित करने के लिए।

कार्यक्रम के अगले सत्र मे आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एन एस ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों से संवाद किया।और सह आचार्य श्री साध्वी नंदन पाण्डेय ने वदतु संस्कृत के पाठ्यक्रम में खेल, गीत के माध्यम से संस्कृत संभाषण का वाक व्यवहार कराया ।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सम्बोधित करते डॉ. जशोबंत डनसना

दिनांकः **10 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ ईकाई द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. जशोबन्त डनसना ने बताया कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी आवश्यक है। हमें पांच विषयों को ध्यान रखना चाहिए शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य, भावानात्मक स्वास्थ्य, हमारे विचार, हमारी कार्यात्मक जीवन शैली, सामाजिक सम्बन्ध। शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं शारीरिक स्वास्थ्य के बिना मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के बिना शारीरिक स्वास्थ्य की कल्पना करना संभव नहीं है। अतः हमें आयुर्वेद के बताए हुए आहार–विहार के नियमानुसार शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। हम दूसरे के लिए जीते जीते अपने लिए जीना भूल जाते हैं दूसरों के भावनाओं के साथ हमें अपनी भावनाओं का भी ख्याल रखना चाहिए। आयुर्वेद में बताए गए सद्वृत के नियमानुसार अपने विचारों को पवित्र रखना चाहिए। अपने कार्यात्मक जीवन को अच्छी प्रकार करते हुए अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। आजकल के युवा सोशल मीडिया को ही सामाजिक जीवन मान चुके है। झूठे सोशल मीडिया पटल पर समय व्यतीत करने के बजाय हमें समाज में एक दूसरे से मिलना चाहिए। एक दूसरे को समझना चाहिए मनुष्य को एक सामाजिक प्राणी है समाज में समय देनें पर हम मानसिक स्वास्थ्य व नए अनुभव प्राप्त होने के कारण हमारी कार्यकुशलता भी बढ़ती है। समाजिक व्यक्ति कभी अवसाद से ग्रसित नहीं होता है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शंकरदयाल उपाध्याय ने किया कार्यक्रम का संयोजन आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने किया कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी आचार्य एवं बीएएमएस द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — षष्टम दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दीक्षा पाठ्यचर्या में नवप्रवेशित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी

दिनांकः **10 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में नव प्रवेशित बीएएमएस विद्यार्थियों के दीक्षा पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रोफेसर काय–चिकित्सा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय लक्ष्य निर्धारण विषय पर अपने व्याख्यान में कहा कि एक छात्र द्वारा अपना बीएएमएस स्नातक और इंटर्नशिप पूरा करने के बाद, ढेर सारे विकल्प होते हैं जिन्हें खोजा जा सकता है। एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जो दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है वह आयुर्वेदिक चिकित्सा है। बीएएमएस पूरा करने के बाद चिकित्सा का अभ्यास करने, अनुसंधान करने, दवाओं का निर्माण करने, प्रशासनिक सेवा में चिकित्साधिकारी, शिक्षण कार्य, आयुर्वेदिक दवा कंपनियों में कार्य आदि के अवसरों के साथ आप एक सफल उद्यमी जीवन जो एक रोमांचक और विशिष्ट करियर जीने का विकल्प होता है जिससे आप दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए स्नातक में कुशलता पूर्वक अध्ययन आवश्यक है। इसलिए बीएएमएस विद्यार्थियों का हिन्दी अंग्रेजी एवं संस्कृत भाषा की अच्छी समझ होनी चाहिए। किसी भी पद्धति में सफलता प्राप्त करने हेतु अपने पाठ्यक्रम के साथ आज के विषय में भी अद्यत होना आवश्यक है तभी आप अपने क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। आने वाला समय आयुर्वेद का है, इसे आपको ही सच करना होगा।

कार्यक्रम में आभार ज्ञापन डॉ. पीयूष वर्षा ने किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, आचार्य डॉ. नवीन सह–आचार्य डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. विन्रम शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह, आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थी रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — सप्तम दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देते डॉ. डी.के. सिंह जी

डॉ. शरद मणि त्रिपाठी जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते डॉ. नवीन के.

दिनांकः **11 अक्टूबर, 2023** का महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में चल रहे दीक्षा पाठ्यचर्या के सप्तम दिवस पर नव प्रवेशित बीएएमएस वाग्भट सत्र (2023–2024) के विद्यार्थियों को "A Garlic-Health superstar" विषय पर दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रोफेसर डी. के. सिंह जी ने सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों से लहसुन को अपने रोजमर्रा के भोजन मे शामिल करने को कहा कि इसके बहुत अद्भुत लाभ है, लहसुन आपके रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, ह्रदय रोग से बचाव करता है, साथ ही खून के बहाव को नियंत्रित करता है। लहसुन की पूरे विश्व मे 300 प्रकार की प्रजाति उपलब्ध है, प्राचीन आयुर्वेद संहिता चरक में बताया गया है कि ये ह्रदय को बल देता है।

चीन में वैज्ञानिकों का मानना है कि 10 ग्राम लहसुन 50 दिनों तक रोज खाने से 50 साल तक व्याधि मुक्त रहेंगे। मिस्र देश मे विश्व की पहली हड़ताल लहसुन के कारण हुई क्योंकि पिरामिड बनाने वाले मजदूरों को लहसुन से ऊर्जा मिलती थी पर लहसुन की कमी से मजदूरों को लहसुन खाने में देना बंद कर दिया गया था। लहसुन काटने पर एलीसीन नामक तत्व निकलता है जो शरीर का कायाकल्प होता है। लहसुन खाने वालों को मछरों से होने वाले रोग नही होते हैं

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में अतिथि वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्रवक्ता एवं उप आचार्य अध्यक्ष डॉ. शरद मणि त्रिपाठी, बुद्धा पी. जी. कॉलेज, कुशीनगर ने विद्यार्थियों के कला कौशल को देखा। जिसमें विद्यार्थियों ने अतिथि महोदय के समक्ष गायन, चित्रकला कविता के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी।

डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थी को बधाई दी कि ऐसे विश्वविद्यालय मे प्रवेश लिए है जिसमें पुरानी संस्कृति, परिपाटी का अनुकरण हो रहा है। साथ ही विद्यार्थियों के साथ गणेश स्तुति का गायन किया। वक्ता ने कहा संगीत भी आयुर्वेद जितना प्राचीन है।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ, सह आचार्य डॉ. नवीन, डॉ. पीयूष, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. विनम्र शर्मा सहित सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्व गठिया दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थिया को सम्बोधित करते प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस.

दिनांकः **12 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ ईकाई द्वारा विश्व गठिया दिवस मनाया गया।

जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अभिजीत एन. परामर्श चिकित्सक, काय चिकित्सा विभाग ने अपने व्याख्यान में गठिया दिवस 2023 की विषय के बारे में बताते हुए कहा कि गठिया से बचाओ अपने हाथों में है। जीवनचर्या में सुधार करके और कुछ बातों का ध्यान रखकर गठिया रोग से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े ही सरल शब्दों में रचनात्मक एवं चिकित्सा के दृष्टिकोण का विवरण दिए। अध्यक्षीय भाषण गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के प्राचार्य ने विद्यार्थियों को अपने दैनिक कार्य में शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहिए जिससे उम्र के ढलने से अनेकों बीमारियों से बचा जा सकता। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्ज्वलन एवं धन्वंतरी वंदना कर कराया गया।

कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्रा जान्हवी राय, आभार ज्ञापन एवं कार्यक्रम का समन्वयक महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ ईकाइ के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

अमृत कलश यात्रा — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय में निकाली गई अमृत कलश यात्रा

अमृत कलश यात्रा में विश्वविद्यालय की छात्राएं

दिनांकः **12 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा निकाली गयी जिसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पर माननीय कुलपति जी मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के द्वारा अमृत कलश में चावल और मिट्टी डालकर प्रारंभ किया गया। कलश यात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से होते हुए मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम के सामने से गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग पहुंची जहां पर कलश में वहां के प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा एवं समस्त कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा चावल मिट्टी डाला गया, उसके उपरांत कलश यात्रा महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में गई जहां प्राचार्य डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव द्वारा उसका स्वागत किया गया और सभी विद्यार्थियों ने कलश में अपने गांव से लाई हुई मिट्टी और चावल डालें। अगली कड़ी में यह यात्रा गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि संकाय गई जहां पर सभी छात्रों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ चावल व मिट्टी को अमृत कलश में डाला। कलश यात्रा के शुभारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति जी ने अमृत कलश का निर्माण क्यों किया जाता है इससे हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए और हमें अपने माटी के साथ जुड़े रहने के और मिट्टी के लिए कुछ कर गुजरने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जसोवंत डनसना, डॉ. विकास कुमार यादव सुश्री अमृता, सुश्री सत्यभामा, सुश्री खुशबू मोदनवाल, सुप्रिया गुप्ता, श्री धनंजय पाण्डेय के अतिरिक्त सभी इकाइयों के स्वयंसेवक एवं विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष,प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — अष्टम दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः **12 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविवद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइन्सेस में दीक्षा पाठ्यचर्या के 8वें दिन बीएएमएस विद्यार्थियों को नारी सशक्तीकरण विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्रीमती शीलम बाजपेई, परियोजना एवं प्रशासनिक निदेशक समाधान अभियान एनजीओ गोरखपुर ने कहा लैंगिक संवेदनशीलता एक ऐसा विषय है जिस पर हमारा समाज खुलकर बात करने से कतराता है घर पर माता–पिता हों या विद्यालय में शिक्षक इस विषय पर बात करने से परहेज़ करते हैं जो कि ग़लत है आज आवश्यकता है खुलकर बात करने कि प्रत्येक लिंग के प्रति सम्मान का भाव रखने की।

हमें एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें महिला हो या पुरुष प्रत्येक का अधिकार सुरक्षित रहें। हमारे समाज में हमें बचपन से एहसास कराया जाता है कि तुम लड़के हो तो नहीं सकते तुम लड़की हो तुम्हें घर के काम काज सीखना चाहिए आवश्यकता है इस विचारधारा को बदलने की इसकी शुरूआत हमें अपने घर से करनी चाहिए लिंग समानता के मूल्यों पर ध्यान देना चाहिए। इस जड़वादी दृष्टिकोण को समाप्त करने का यह महत्वपूर्ण साधन है। शीलम बाजपेई निदेशक समाधान अभियान ने बताया की समाज में स्त्रीपुरुष संवेदनशीलता तभी संभव है जब स्त्री पुरुष एक दुसरे को समान इज्जत दे, पुत्र– पुत्री की परवरिश में समानता रखें। उन्होंने इण्डिया पेस्टीसाइड लिमिटेड और समाधान अभियान के साझा प्रयास चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया की गोरखपुर और सिद्धार्थ नगर में भी बालमित्र केंद्र की स्थापना हो रही है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देतीं श्रीमती शीलम बाजपेई जी

दीक्षा पाठ्यचर्या — नवम दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. जोखन पाण्डेय जी

दिनांक: **13 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या के नवम दिवस पर बीएएमएस विद्यार्थियों को 'वदतु संस्कृतम्' विषय पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. जोखन पाण्डेय जी ने आयुर्वेद विषय में संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भविष्य के वैद्य को संस्था के माध्यम से जनसेवा करने के लिए प्रेरित किया। संस्कृत एवं आयुर्वेद का अन्योन्या संबंध है और उत्तम आयुर्वेद चिकित्सक बनने हेतु दोनो का ज्ञान आवश्यक होता है। नासा के वैज्ञानिकों ने संस्कृत को उत्तम भाषा की परिभाषा दी है। संस्कृत यह भारत वर्ष की आत्मा है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए। आयुर्वेद के विद्यार्थियों को अभ्यास का महत्व बताते हुए संस्कृत को दैनिक बोल–चाल की भाषा के रूप में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहें।

पंचप्रण शपथ ग्रहण — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

दिनांक: **13 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न इकाइयों द्वारा पंचप्रण की शपथ दिलायी गयी। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ, महायोगी आदिनाथ एवं महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ ईकाई द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्यवक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने सभी को राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल अवधारणा से अवगत कराते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य सेवा के माध्यम से ही शिक्षा देना है।

पंचप्रण के सभी बिंदु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा की व्यक्ति को मनसा, वाचा और कर्मणा से देश को विकसित, एकता, अखंडता और गुलामी के मानसिकता के प्रति जागरूक होकर समाज और देश के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय ने सभी को पंचप्रण की शपथ दिलाई जिसमें विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति पाना, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता एवं नागरिक में अपने कर्तव्यों की भावना और अपने दायित्वों का निर्वाह करना शामिल था।

कार्यक्रम में गुरु श्री गोरक्षनाथ

पंचप्रण की शपथ ग्रहण करते विद्यार्थी

इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई. महायोगी संतोषनाथ के द्वारा अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम के अन्तर्गत 'अमृत कलश' के पंचप्रण' का शपथ ग्रहण दिलाया गया।

मिशन शक्ति — महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (राष्ट्रीय कैडेट कोर)

रैली निकालते राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थी

दिनांक: **14 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत रैली निकाल कर नारी सुरक्षा, नारी सम्मान व नारी स्वालंबन का संकल्प लिया गया। रैली एनसीसी ऑफिसर हरीकृष्ण और सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में निकाला गया। डॉ. हरिकृष्ण ने कहा की नारी का सम्मान व उनका योगदान सभी के लिए प्रेरणादायक है। मातृत्व शक्ति से राष्ट्र का नव संकल्प सभी को लेना चाहिए। रैली में प्रमुख रूप से कैडेट्स सागर, मोती लाल, अमित, प्रियेश राम, भानु प्रताप, खुशी, अंशिका, प्रीति, साक्षी, अमृता, गौरी, निकिता, अनुष्का, ऋत, चांदनी, संजना, पूजा, अभिषेक, सागर, आदित्य, कृष्णा, आदर्श, हरयेश्व, आशुतोष मणि ने नारी सम्मान के उदघोष से जन–जन को जुड़ने का संकल्प लिया।

दीक्षा पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. प्रकाश झा जी

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. वी. रामनाथन जी

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देते लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह जी

दिनांकः **14 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या के 10वें दिन द्वितीय सत्र में बीएएमएस विद्यार्थियों को 'वदतु संस्कृतम्' विषय पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉ. प्रकाश झा जी, प्रांत संघ मंत्री, संस्कृत (भारती गोरक्षप्रांत) ने बताया कि संस्कृत भाषा कण–कण में है। शुद्ध संस्कृत उच्चारण, उच्चारण स्थान एवं प्राणायाम के संबंध को विद्यार्थियों से प्रयोग कराकर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

द्वितीय सत्र में डॉ. वी. रामनाथन, सहायक आचार्य, डिपार्टमेंट ऑफ केमिस्ट्री, आई आईटी, बीएचयू ने विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने के लिए परिश्रम और बुद्धिमता दोनों का महत्व बताया। सिद्ध एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में पारद निर्मित औषधियों का वर्णन दिया तथा भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों में आयुर्वेद की व्यापकता की जानकारी साझा करत हुए बताया कि पूर्व में संपूर्ण विश्व में पारद का प्रयोग संक्रमण रोग चिकित्सा हेतु किया जाता था। शास्त्रोक्त विधि से औषधि निर्माण, परीक्षण और डॉक्यूमेंटेशन से ही हम आयुर्वेद को श्रेष्ठतम चिकित्सा पद्धति सिद्ध कर सकते हैं।

तृतीय सत्र में लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह जी ने वर्बल एवं नॉन वर्बल स्किल्स को व्यक्तित्व विकास का अभिन्न हिस्सा बताते हुए उत्साहपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों संग कम्युनिकेशन स्किल संबंधित प्रयोग कर के दिखाया। कम्युनिकेशन के विभिन्न माध्यम, वर्बल नॉन वर्बल कम्युनिकेशन के फायदे और नुकसान, ब्लाइंड साइड जैसे विषयो पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस, सह आचार्या डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. विनम्र शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. सर्वभौमा आदि रहें।

मिशन शक्ति — राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः **14 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मिशन शक्ति फेस 4 के अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा सम्मान, स्वालंबन एवं मिशन शक्ति अभियान का शुभारंभ करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज निर्देशानुसार मिशन शक्ति रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे के द्वारा किया गया। रैली विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर सोनबरसा ग्राम होते हुए प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा तक गई वहां से पुनः वापस आकर विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर समाप्त हुई। सम्पूर्ण रैली के दौरान छात्राओं ने महिलाओं को जागरुक किया।

रैली को संपन्न कराने में कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास कुमार यादव, सुश्री सत्यभामा, सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवं श्री अभिनव कुमार सिंह राठौड़ एवं सभी इकाइयों के स्वयंसेवक प्रतिभाग किए।

मिशन शक्ति के अंतर्गत रैली निकालते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

डॉ. अजीत कुमार शाशनी जी एवं डॉ. श्री कृष्णा तिवारी जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी

डॉ. शरद श्रीवास्तव जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते माननीय कुलपति जी

दिनांकः **16 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान लखनऊ के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शाशनी का आगमन हुआ। इस दौरान डॉ. शासनी ने राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान में हो रहे विभिन्न शोध एवं उसके प्रसार के बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई एवं अन्य को अवगत कराया। डॉ. शासनी ने विश्वविद्यालय परिक्षेत्र का भ्रमण किया और विश्वविद्यालय के साथ कृषि और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शोध–प्रसार व तकनीकि के आदान–प्रदान में सहभागिता की इच्छा जतायी। डॉ. शासनी ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की शोध के माध्यम से आयुर्वेद को और उन्नतशील किया जा सकता है। निदेशक राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान के साथ आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शरद श्रीवास्तव ने जड़ी बूटियों से बनी दवा एवंवर्तमान में उसके प्रासंगिकता के बारे में बताया और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. श्री कृष्ण तिवारी ने जानकारी दी कि कैसे राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान गंगा के मैदानी इलाके में उगने वाले विभिन्न पेड़–पौधों का संरक्षण एवं उनका संवर्धन कर रहा है।

परिचर्चा में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल कुमार दूबे उपस्थित रहें।

नवप्रवेशित वाग्भट्ट सत्र–2023–24 के विद्यार्थियों का शिष्योपनयन

दीक्षा पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. विनय सिंह जी

दिनांकः **16 अक्टूबर, 2023** को शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के दीक्षा पाठ्यचर्या के अंतर्गत नवप्रवेशित वाग्भट्ट सत्र–2023–24 के विद्यार्थियों का शिष्योपनयन कार्यक्रम पूरी विधिविधान के साथ शास्त्रीय विधि से पूजा, हवन कराकर संपन्न हुआ। शिष्योपनयन कार्यक्रम मे आचार्य साध्वीनंदन पाण्डेय ने चरक संहिता में दी गयी शपथ विद्यार्थियों से दिलाते हुए प्रण कराया की वे सदैव लोकल्याण की भावना से निस्वार्थ भाव से कार्य करेंगे। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में पूर्व सत्र के विद्यार्थियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मध्य परिचय एवं संवाद कराया गया। तृतीय सत्र में विद्यार्थियों को संबोधित करने नेशनल बोटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ के निदेशक डॉ. अजीत कुमार शाशनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है बस जरूरत है उसमें बताये गए सिद्धान्तों को वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित करने की। आयुर्वेद मे वात, पित, कफ शरीर के मूलभूत आधार स्तंभ है, आयुर्वेद मे औषध के संग्रह काल का अनुपान का वर्णन मिलता है। साथ ही निदेशक महोदय ने सभी विद्यार्थियों को एनबीआरआई में आमंत्रित किया। डॉ. एस. के. तिवारी, डॉ. शरद श्रीवास्तव वरिष्ठ वैज्ञानिक एनबीआरआई ने भी विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

दीक्षा पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. अजीत कुमार शाशनी जी

चतुर्थ सत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर की निदेशक डॉ. सुरेखा किशोर जी ने वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जुड़ कर होलिस्टिक हेल्थ विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि होलिस्टिक हेल्थ यानी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहना। होलिस्टिक हेल्थ के पांच पहलु होते हैं. शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक और मानसिक। इसमें असुंतलित जीवन शैली को संतुलित जीवन शैली में बदला जाता है। मॉडर्न मेडिसिन केवल लक्षणों पर कार्य करती है लेकिन आयुर्वेद एवं अन्य प्रकृति चिकित्सा रोग के मूल कारण को दूर करने की दृष्टिकोण वाली होती है। अपनी जीवन शैली को संतुलित आहार, व्यायाम, ध्यान, योग आदि के द्वारा सुधार सकते हैं। मानसिक रोग भी हमारे स्वास्थ्य को खराब करती है। समाज को प्रत्यक्ष रूप से समझना होगा। भावानात्मक स्वास्थ्य के रक्षण के लिए आपको अपने प्रति सकारात्मक होना होगा।

पंचम सत्र में डॉ. विनय सिंह आयुष चिकित्साधिकारी गोरखपुर ने संस्थागत अधिकारी और उनका स्वास्थ्य में योगदान के बारे में कहा कि आयुर्वेद समग्र स्वास्थ्य के बारे में बताता है यह तीनों दोषों सात्, धातु, अग्नि, तीन प्रकार के मल और क्रियाएं ये सभी सम अवस्था में हों, मन और आत्मा भी प्रसन्न हो, तो उसे स्वस्थ व्यक्ति कहते हैं। आयुर्वेद ऋतुचर्या, दिनचर्या आदि मूल सिद्धान्तों पर कार्य करता है।

आधिकारिक तौर पर चिकित्सीय संस्थान ग्राम क्षेत्र से जिला स्तरीय हैं जिसमें पीएचसी, सीएचसी, जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान आदि हैं। प्राथमिक स्तर अर्थात ग्राम स्तर पर आयुष कार्य करता है जिसमें पूरे देश में लगभग चार लाख से अधिक आयुर्वेदिक बीएएमएस डाक्टर हैं। आयुर्वेद का मूल सिद्धांत स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी के रोग का निदान करना है।

कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. सुमित, डॉ. विनम्र सहित सभी शिक्षक और बीएमएस प्रथम और द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्व खाद्य दिवस — कृषि संकाय

दिनांकः **16 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा विश्व खाद्य दिवस पर व्याख्यान का आयोजन कराया गया।

कार्यक्रम का संचालन महायोगी आदिनाथ इकाई के छात्र प्रमुख अनिकेत मल्ल के द्वारा किया गया। कृषि विज्ञान के सहायक अध्यापक डॉ. हरी कृष्ण ने व्याख्यान देते हुए खाद्य सुरक्षा, पोषण के लिए खाद्य प्रणाली व भूखमरी की समस्या के प्रति जागरूक किया और खाद्य एवं कृषि संगठन के गठन व उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला।

इस दौरान कृषि स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र शुभम मौर्य द्वारा खाद्य प्रबंधन एवं आलोक जायसवाल द्वारा वैश्विक भूखमरी सूची पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कृषि संकाय के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण सिंह एवं कृषि स्नातक प्रथम व द्वितीय वर्ष के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विश्व खाद्य दिवस पर व्याख्यान प्रस्तुत करता विद्यार्थी

कार्यक्रम महायोगी आदिनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के देखरेख में संपन्न कराया गया।

दीक्षा पाठ्यचर्या — द्वादश दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते वैद्याचार्य सुशील दूबे जी

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देते वैद्य आकाश चन्द त्रिपाठी जी

दिनांकः **17 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के दीक्षा पाठ्यचर्या में वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जुड़े डॉ. प्रसन्न कुलकर्णी विभागाध्यक्ष स्वस्थवृत्त विभाग, श्री कालबीरवेश्वर स्वामी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज विजयनगर, बैंगलोर ने आई.टी. एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दोनों के फायदे के बारे में छात्रों को बताया। आधुनिक तकनीक ने हमारे दैनिक जीवन में मददगार साबित हुई। चिकित्सा के क्षेत्र में डिजिटलकरण द्वारा मरीजों की जानकारी रखना, स्वास्थ्य सूचना आदान–प्रदान में आई.टी. एवं ए. आई. की उपयोगिता के बारे में बताया। आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में रोगी परीक्षा, रोग परीक्षा, औषधियों के चुनाव में चिकित्सा के चुनाव में सम्यक आहार –विहार के चुनाव में आई.टी. एवं ए.आई. के उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को बहुत ही सरल तरीके से बताया। दीक्षा पाठ्यचर्या के अगले सत्र मे बी. एच. यू. क्रिया शरीर के वैद्याचार्य सुशील दूबे ने विद्यार्थियों को नाड़ी एवं प्रकृति चिकित्सा का आयुर्वेद मे उपयोगिता का महत्व बताते हुए कहा कि जिस तरह आधुनिक चिकित्सा पद्धति में बीमारी का पता कुछ लैब टेस्ट और जांचों की मदद से लगाया जाता है। उसी प्रकार आयुर्वेद में भी बीमारी की पहचान करने के कई तरीके हैं। इनमें नाड़ी परीक्षण प्रमुख है। इसमें मरीज की नाड़ी की गति नापकर बीमारियों का पता लगाया जाता है। नाड़ी की जांच के लिए सबसे सही समय सुबह खाली पेट होता है। आमतौर पर पुरुषों के दायें हाथ की और स्त्रियों के बाएं हाथ की नाड़ी की गति देखी जाती है। बुखार होने पर रोगी की नाड़ी तेज चलती है और छूने पर हल्की गर्म महसूस होती है। उत्तेजित या तेज गुस्से में होने पर नाड़ी की गति तेज चलती है।

पाठ्यचर्या के अंतिम सत्र में आयुर्वेद के वरिष्ठ चिकित्सक वैद्य आकाश चन्द त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को आयुर्वेद की प्राचीन एवं महत्वपूर्ण शोधन चिकित्सा पंचकर्म से अवगत कराया। पंचकर्म में प्रधान कर्म वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्त मोक्षण पद्धतियों के बारे में विडियो के माध्यम से परिचित कराया। वैद्य जी ने कहा आप आयुर्वेद लिया है तो आपको अधिक मेहनत करनी होगी प्राचीन आयुर्वेद पद्धति के साथ आधुनिक चिकित्सा पद्धति का ज्ञान और अपनी पद्धति की वैज्ञानिक प्रमाणिकता को भी सिद्ध करना है। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. तथा डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय, डॉ. सर्वभौम आदि सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

पुरस्कार वितरण — सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विजयी प्रतिभागी शिवानी सिंह एवं विध्यवासिनी गुप्ता को प्रशस्ति पत्र देते अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

विजयी प्रतिभागी शिवानी यादव व अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य वि.सं.

दिनांकः **17 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में 16 सितम्बर को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर भाषण और चित्रकला की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें विजयी प्रतिभागियों को दिनांक 17 अक्टूबर, 2023 को प्रशस्तीपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। यह आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय ने अपने देखरेख में सम्पन्न कराया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दुर्गेशनंदिनी, द्वितीय स्थान शिवानी सिंह एवं तृतीय स्थान पर अर्चिता गुप्ता एवं शिवानी यादव विजयी रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या — त्रयोदश दिवस — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः **18 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या मे विकृति विज्ञान विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. अनुराग पांडेय ने 'रीसेंट एडवांसमेंट इन आयुर्वेद' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है इसमें ऐसे बहुत से विषयो का उल्लेख है जिन पर आज काम कर आधुनिक वैज्ञानिक अपने नाम पर पेटेंट करा लेते हैं। आज आयुर्वेद में विकास एवं प्रचार के लिये आयुष मंत्रालय है। आयुर्वेद पद्धति द्वारा सम्पूर्ण विश्व में रोगों का निदान किया जा रहा है परन्तु रोगियों से सम्बन्धित डेटा चिकित्सक द्वारा संरक्षित नहीं किए जा रहे थे तथैव आज के समय में हमें उन सभी डेटा को संरक्षित करना है जिससे हम आयुर्वेद के साक्ष्यों को सुरक्षित रख सके। आयुष मंत्रालय का 2023–24 का बजट मे 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ये पूरा बजट आयुर्वेद के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा खर्च किया जाता हैं।

डॉ. पांडेय ने कहा कि हमारे देश का 25 अन्य देशों जैसे मलेशिया, कोलंबिया, नेपाल, हंगरी आदि से समझौता (MOU) है जहाँ हम को वे देश चिकित्सा संबंधित कार्य के लिए बुला सकते हैं। पहले आयुर्वेदिक दवाएं जैसे – चूर्ण, चटनी आदि के रूप में उपलब्ध थी जोकि वर्तमान समय में कैप्सूल, टेबलेट्स बन गए हैं, जिनका प्रयोग करना सरल हो गया है।

दीक्षा पाठ्यचर्या में व्याख्यान देते डॉ. अनुराग पाण्डेय जी

आधुनिकता के इस युग में मशीनी उपकरण मे भी बदलाव आएं हैं जिससे कोई भी कार्य करना बहुत ही सरल हो गया है। आहार की उपयोगिता एवं उसके उपयोग का विवरण भी आयुर्वेद में उल्लिखित है जिसका उपयोग आधुनिक चिकित्सा पद्धति में हो रहा है। आनुंवशिकी का विवरण भी आयुर्वेद में 5000 वर्ष पूर्व दिया गया है। आप आयुर्वेद का नियमित अध्ययन करें, आपके पास असंख्य रास्ते होंगे बस आप उनमें से बेहतरीन को चुन कर पूरे लगन से कार्य करना है।

दीक्षा पाठ्यचर्या कार्यक्रम मे आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., सहआचार्य डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. विनम्र सिंह आदि उपस्थित रहें।

दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन समारोह में सम्बोधित करते आयुष विवि के माननीय कुलपति डॉ. अवधेश कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति

दिनांकः **19 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के वाग्भट्ट (सत्र 2023–24) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप मे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अवधेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा इन पंद्रह दिनों में आप आयुर्वेद से परिचित हो गए होंगे। यह आपका सौभाग्य है कि आप गुरु गोरक्षनाथ की पावन भूमि में शिक्षा ग्रहण करने आये हैं अतः चिकित्सक के साथ चरित्रवान मनुष्य भी बनें। यहाँ

मुख्य अतिथि डॉ. अवधेश कुमार सिंह जी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी

की संस्कृति–परम्परा को अपनाइये एवं इसको आत्मसात् करिए। यह आपमें मानवीय गुणों का संचार करेगा एवं आपको एक योग्य चरित्रवान बनाने में सार्थक सिद्ध होगा। आज का युग आयुर्वेद का स्वर्णिम युग है। भारत को विश्व गुरू बनाने में आयुर्वेद के युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

कार्यक्रम के अगले चरण में अकादमी प्रमुख डॉ. नवीन के. ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई दिया एवं कहा कि आपने यह अनूठा पाठ्यक्रम एवं विश्वविद्यालय चुना। इस विश्वविद्यालय में आपको सभी आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी, साथ ही विषय में पारंगत एवं निपुण प्राध्यापक भी मिलेंगे जिसके द्वारा आप विश्वस्तरीय आयुर्वेद के बारे में शिक्षा प्राप्त कर एक अच्छा वैद्य बन सकेंगे। हम सभी सौभाग्यशाली हैं जो इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के इस स्वर्णिम स्वप्न के भागीदार बन रहे हैं।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि आप इतना सशक्त बनिये की स्वयं भी जीविकोपार्जन करें और साथ ही कम से कम पांच अन्य को भी जीविका दें।

कार्यक्रम मे स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. जी ने एवं आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ. पियूष वर्षा जी ने किया। समापन समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहें।

रक्तदान शिविर — राष्ट्रीय सेवा योजना

रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति जी

रक्तदान करते माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी

दिनांकः **21 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डेंगू के प्रकोप के कारण हुई रक्त की कमी को देखते हुए समाज सेवा को समर्पित, रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस चिकित्सालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने चिकित्सालय में स्थापित बाबा गोरखनाथ जी की पूजा अर्चना के बाद द्वीप प्रज्ज्वलन कर आरम्भ किया। रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव ने रक्तदान किया उसके पश्चात् आयुर्वेद कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. शकर दयाल उपाध्याय व डॉ गोपी कृष्णाएसागर जायसवाल ने भी रक्तदान किया। तत्पश्चात् विश्वविद्यालय मे कार्यरत अध्यापक, कर्मचारी विद्यार्थी में अंशिका सिंह, कृष्णा त्रिपाठी, रश्मि जायसवाल, अमृता सिंह, ऋषि सिंह, नीतू शुक्ला, रागिनी त्रिपाठी, केशव राय, मान त्रिपाठी, नीतेश प्रताप सिंह, पूजा सिंह, निधि कुशवाहा, विपुल प्रजाप्रति, रागिनी, प्रीति गुप्ता, नीतेश पासवान, अर्पणा चतुर्वेदी, इत्यादि रक्तदान किया। रक्तदान शिविर की समाप्ति के समय कुल 51 यूनिट ब्लड गुरू श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक एवं कंपोनेंट्स सेंटर को समाज सेवा के लिए समर्पित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबेए समस्त इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्री धनंजय पांडे, सुश्री सत्यभामा, डॉ. विकास कुमार यादव राष्ट्रीय कैडेट कोर के एएनओ डॉ. हरिकृष्ण एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संरक्षक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कामिनी चौरसिया अमन, विष्णु, अशोक, यशवीर, सिमरन यादव, शुभम, इवा लाबिया, दिविज्या, अभिजीत, आदि ने शिविर को संपन्न कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया। यह शिविर चिकित्सालय के प्रबंधक डॉ. जी. के. मिश्रा एवं समस्त कर्मचारियों ने के सहयोग से शिविर सकुशल संपन्न हुआ।

रोड सेफ्टी अभियान — राष्ट्रीय सेवा योजना

रोड सेफ्टी अभियान के अंतर्गत वाहन चालक को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते स्वयंसेवक

दिनांकः **21 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदायनाथ इकाई के द्वारा रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सडक सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसे सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखा कर प्रारंभ किया। अभियान में समस्त विद्यार्थियों ने रोड सेफ्टी क्लब रैली निकाली, जो विश्वविद्यालय गेट सामने से होती हुई बालापार स्थित विभिन्न गांव सोनबरसा, सिक्टौर, मानीराम गई जहां जनमानस को सड़क सुरक्षा संबंधित नियमो से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी तथा भविष्य में इसके पालन करने को प्रेरित किया। यह अभियान विश्वविद्यालय के महायोगी उदायनाथ इकाई के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे जी के कुशल देखरेख में संपन्न हुआ इसमें सभी विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

मानव श्रृंखला के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह जी माननीय कुलपति जी

स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करतीं मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह जी

दिनांकः **21 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजनाके तत्वाधान ने मिशन शक्ति 4.0 कार्यक्रम के अंतर्गत मानव श्रृखला एवं बालिका शपथ का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मंजू सिंह विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी (राष्ट्रीय सेवा योजना कोष्टक विभाग) उत्तर प्रदेश शासन, विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.. अतुल बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप राव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम स्वयंसेविका शगुन शाही ने सभी को बालिका शपथ ग्रहण कराया जिसमें बालिकाओं की सुरक्षा और उन्हें स्वावलंबी बनाने में अपना योगदान देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. मंजू सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अब बालिकाओं को चुप्पी तोड़नी होगी व आगे बढ़ना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि वह अपनी कक्षा में सर्वे कराये और बालिकाओं से बात कर उनकी समस्याओं की जानकारी लें और उनके समाधान हेतु आश्वासित करें। उन्होंने ने सभी विद्यार्थियों से हाथ ऊपर करके एक साथ एक समय संकल्प लेने को कहा और बेटियों की सुरक्षा में सभी की अहम भूमिका होनी चाहिए। उसके उपरांत मानव श्रृखला में उपस्थित सभी से मिली और आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा लगाये गये रक्तदान शिविर में रक्तदाता और स्वयंसेवक से मिलकर उनका उत्साह बढाया। समस्त मानव श्रृखला में लगभग 758 विद्यार्थीयों में प्रतिभाग किया।

समस्त कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डी. एस. अजीथा अधिष्ठता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमारे यादव, सुश्री सत्यभामाएं सुश्री अमृता, श्री धन्न्जय पाण्डेय श्रीमति प्रज्ञा पाण्डेय के अलावा सभी विभाग के शिक्षक एवं स्वयसेवक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वय सेवक शिवम् पाण्डेय द्वारा किया।

विश्वविद्यालय के कार्य परिषद की बैठक में आगंतुक विशेषज्ञ व माननीय कुलपति, माननीय कुलसचिव, माननीय उपकुलसचिव

दिनांकः **22 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के रोड मैप पर रविवार को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में विशद मंथन हुआ। कार्य परिषद ने इसके बाद पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने, परिसर की संस्कृति को विशेष बनाने के साथ देश के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की कार्य एवं शिक्षा संस्कृति का अध्ययन करने का निर्णय लिया है। 70 बिंदुओं पर हुई बैठक में कार्य परिषद ने जहां विश्वविद्यालय की स्थापना के पांचवें वर्ष तक श्रेष्ठ नैक ग्रेडिंग हासिल करने का लक्ष्य तय किया वहीं अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी मुहर लगाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी

बैठक में चर्चा करते हुए विशेषज्ञ व माननीय कुलपति व कुलसचिव

देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने सभी 70 बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया। इसके अनुसार अगले शैक्षिक सत्र से बीएससी आनर्स, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, जूलॉजी, बॉटनी, बीबीए, लॉजिस्टिक, हेल्थकेयर, बीसीए, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फोरेंसिक साइंस, बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री, बीएससी आनर्स (क्लीनिकल साइकोलॉजी, न्यूट्रीशियन एंड डाइटीशियन) के कोर्स शुरू किए जाएंगे।

कार्य परिषद ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शोध संस्थान की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया है। इस हेतु समस्त औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कुलपति की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति के गठन की मंजूरी दी गयी। समिति में डॉ. डी.एस. अजीथा प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग, प्रोफेसर सुनील कुमार अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा डॉ. विमल कुमार दूबे अधिष्ठाता कृषि संकाय सम्मिलित हैं।

कार्य परिषद की बैठक का एक महत्वपूर्ण बिंदु नैक मूल्यांकन का रहा। परिषद ने नैक मूल्यांकन के दृष्टिकोण से अभी से वांछित कार्यवाही किए जाने हेतु समयबद्ध कार्यवाही किए जाने पर जोर दिया ताकि स्थापना के पांचवें साल तक उत्कृष्ट नैक ग्रेडिंग हासिल की जा सके। यह भी तय किया गया कि पाठ्यक्रमों को दो से तीन सदस्यों में विभक्त कर नैक समितियों से कार्य कराया जाए।

कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार योजना शुरू करने, इनोवेशन व स्टार्टअप को बढ़ावा देने और अधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शुरू करने, ऑनलाइन–ऑफलाइन वैल्यू एडेड कोर्स चलाने, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की तर्ज पर मूल्यांकन प्रणाली शुरू करने के साथ ही हर तीन वर्ष पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। कार्य परिषद की बैठक में रामजनम सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. शोभा गौड़ आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. प्रिंसी जी, डॉ. प्रज्ञा सिंह तथा संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय उपस्थित रहें।

शैक्षणिक भ्रमण

कृषि संकाय

दिनांक: **26 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के स्नातक कृषि विज्ञान के द्वितीय वर्ष के छात्रों ने डॉ. विमल कुमार दूबे अधिष्ठाता कृषि संकाय के निर्देशानुसार ब्रह्मकृषि बायोएनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, रानुखोर, सहजनवां गोरखपुर का शैक्षिक भ्रमण किया।

वहां कृषि फार्म में बीन्स की फार्मिंग को देखा और प्लास्टिक मल्चिंग व ड्रिप इरिगेशन के बारे में जानकारी ली एवं हाई डेनसिटी ऑर्चर्ड में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के आम और आंवले के पौधों के बारे में भी जाना।

इस दौरान वहां मौजूद प्रगतिशील किसान विश्वनाथ यादव जी ने मछली पालन के बारे में जानकारी दिया व प्राकृतिक खेती से तैयार धान के फसल को दिखाया और वहां लगे मिलेट्स के विभिन्न प्रजातियों की दिखाया व उससे बनी खीर का सेवन कराकर गुणवत्ता भी बताया।

कार्यक्रम कृषि संकाय के सहआचार्य डॉ. कुलदीप सिंह एवं महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. विवेक प्रताप सिंह के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

विद्यार्थियों को एकीकृत कृषि प्रणाली की जानकारी देते प्रगतिशील किसान श्री विश्वनाथ यादव

एमओयू समझौता

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

विश्वविद्यालय, ड्रोनियर एविगेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं इंजीनियर अजय कुमार यादव के मध्य 'रिमोट पायलट ट्रेनिंग' हेतु समझौता करते माननीय कुलपति एवं कुलसचिव

दिनांक: **27 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, ड्रोनियर एविगेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं इंजीनियर अजय कुमार यादव के मध्य 'रिमोट पायलट ट्रेनिंग' और उससे संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों के आदान–प्रदान हेतु 'समझौता करार' पर हस्ताक्षर हुआ। ड्रोन आधारित रोज़गार परक शिक्षा की अत्यधिक माँग को देखते हुए और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी अनुपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा इस सराहनीय कदम उठाया गया। इस समझौता करार के माध्यम से पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानो एवं कृषि से सम्बंधित नौजवानो को रोज़गार का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी के द्वारा समझौता करार पर हस्ताक्षर किया गया। समझौता क़रार के समय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव एवं समन्वयक समझौता करार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय डॉ. विमल कुमार दूबे उपस्थित रहें।

चुप्पी तोड़, हल्ला बोल : कार्यक्रम

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांक: **27 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में इंडिया पेस्टिसाइड्स लिमिटेड एवं समाधान अभियान के संयुक्त तत्वावधान में 'चुप्पी तोड़ हल्ला बोल'कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका 'मुख्य उद्देश्य बाल यौन शोषण को उन्मूलन करना है जिससे की प्रतिभागी मिशन शक्ति टीम के साथ जाकर गावों में जाकर कार्यशाला कर सके, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे समाधान अभियान की निदेशक श्रीमती शीलम बाजपेई एवं सौम्या द्विवेदी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती शीलम बाजपेई द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करके की गई। तत्पश्चात श्रीमती शीलम वाजपेई जी ने समाधान अभियान के उद्देश्य, महत्व, बच्चों की सुरक्षा चक्र, विजन, मिशन, सर्कल ऑफ सेफ्टी तथा समाधान अभियान की सफलता के बारे में बताया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती सौम्या द्विवेदी ने अपना व्याख्यान प्रारंभ किया जिसमें उन्होंने विभिन्न प्रकार के योजनाओ, बाल यौन शोषण का बच्चों पर प्रभाव, अच्छे व बुरे स्पर्श के बारे में बताया। शपथ के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ। ।

छात्राओं को सम्बोधित करतीं मुख्य अतिथि श्रीमती शीलम बाजपेई

धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल — उद्घाटन समारोह — गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

दिनांकः **28 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं शरद पूर्णिमा के पावन दिन पर धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल का उद्घाटन समारोह विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कुलपति महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल 15 दिन तक चलेगा जिसमें प्रत्येक दिन आयुर्वेद के जागरूकता एवं इसके महत्व को जन–जन तक पहुँचाने केलिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे एवं एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी। 10 नवंबर आयुर्वेद दिवस धन्वंतरि पूजा, हवन भी आयोजित किया जाएगा।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी

आयुष मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद के संदेशों को जन–जन तक पहुंचने के लिए आयुष मंत्रालय ने हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद विषयवस्तु निर्धारित की है। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक, चिकित्सक सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

विभागीय बैठक — सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

दिनांकः **28 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रथम एवं द्वितीय आंतरिक परीक्षा के मूल्यांकन, टीचिंग असेसमेंट, शिक्षक के कक्षा तथा विश्वविद्यालय में आने का समय आदि विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

इस बैठक में अधिष्ठाता महोदय द्वारा यह निर्देशित किया गया की आंतरिक परीक्षा अब हर विभाग के समन्वयक द्वारा आयोजित करवाई जाएगी, जिसमें उसी विभाग के शिक्षक कक्ष निरीक्षक होंगे। सभी विभागाध्यक्ष से यह भी कहा गया की वो अपने विषय से संबंधित प्रयोगशाला की जरूरत संबंधी सामग्री की सूची बनाएं।

बैठक में दिसंबर महीने में होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी के संदर्भ में समिति बनाने, संगोष्ठी तैयारी, आने वाले मुख्य अतिथि पर भी महत्वपूर्ण विचार–विमर्श किया गया।

बैठक में सभी शिक्षक द्वारा अपने–अपने विषय की शैक्षणिक स्थिति बताई गई। पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया पर भी अभिचर्चा की गई। बैठक में विभाग के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहें।

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम — गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

सी.वी.पी. के बारे में बताती सुश्री स्वेता अल्बर्ट

दिनांकः **29 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में'फैकल्टी डेवलपमेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका 'मुख्य विषय, सी.वी.पी. लाइन मैनेजमेंट रहा। यह कार्यक्रम सुश्री स्वेता अल्बर्ट द्वारा प्रस्तावित किया गया। जिसमें उन्होंने सी.वी.पी. (इंट्रोडक्शन, डेफिनिशन, इंडिकेशन, कंट्रेंडिकेशन, साइट्स, आर्टिक्स तथा प्रोसीजर) के बारे में विस्तार से व्याख्या दिया। यह कार्यक्रम गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे सभी शिक्षणगण तथा प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर सुश्री अनामिका जैसवाल उपस्थित रहीं।

दिनांकः **31 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यू.पी. बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर के द्वारा आधुनिक भारत निर्माता, एकीकृत भारत के जनक 'लौह पुरुष' सरदार बल्लभ भाई पटेल के जयंती के अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी' रनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने हरी झंडी दिखाकर 'रन फॉर यूनिटी' रनिंग का शुभारंभ किया। इस दौरान कैडेट्स को संबोधित करते हुए कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने हमारे भारत को एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को पूर्ण किया।

उन्होंने कहा की राष्ट्र नव निर्माण में हम सभी को लौह पुरुष से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्पित होना चाहिए।एनसीसी द्वारा आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' रनिंग युवाओ में एकता, अनुशासन, त्याग और समर्पण का भाव जाग्रत करेगा।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे जी ने कहा की लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी ने राष्ट्र नव निर्माण एवं एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। बिखरे रियासतो को अखंड भारत में मिलाने का संकल्प पूर्ण किया था। उनके इस कार्य के प्रति भारत के सभी नागरिक श्रद्धा भाव से कृत्यज्ञ है।

हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ करते माननीय कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी

'रन फॉर यूनिटी' रनिंग कार्यक्रम एनसीसी अधिकारी डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में हुआ। राष्ट्र सेवा संकल्प के प्रति इस कार्यक्रम में सभी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। वन्देमातरम और भारत माता की जय गूंज से पूरा वातावरण गुंजित हुआ।

रनिंग में प्रमुख रूप से एनसीसी कैडेट्स सागर जायसवाल, अनुभव, प्रियेश राम त्रिपाठी, हरेश्वर साहनी, शिवम सिंह, आदर्श मौर्य, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, अमित चौधरी, आदित्य विश्वकर्मा, भानु प्रताप सिंह, संदीप निषाद, आशुतोष मणि त्रिपाठी, आशुतोष सिंह, अंशिका सिंह, पूजा सिंह, खुशी गुप्ता, गौरी कुशवाहा, आंचल पाठक, साक्षी प्रजापति, निकिता गोंड, निधि साहनी, रीतू मौर्य, अमृता कन्नौजिया, चांदनी निषाद,संजना शर्मा, खुशी, अस्मिता सिंह, शालिनी चौहान, द्रक्षा बानो एवं जयश्री शर्मा आदि ने रनिग कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रनव निर्माण का संकल्प लिया।

रन फॉर यूनिटी रनिंग में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव श्री श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. शशिकांत सिंह डॉ. विमल कुमार दूबे, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. रोहित श्रीवास्तव आदि ने कैडेट्स को प्रोत्साहित किया।

रन फॉर यूनिटी रनिंग कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

पोस्टर प्रस्तुति — महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

छात्रा द्वारा बनाए पोस्टर का अवलोकन करते प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव

दिनांकः **31 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी संतोषनाथ द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस पर पोस्टर प्रस्तुति का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महायोगी सन्तोषनाथ ईकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता व कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री कुंवर अभिनव सिंह राठौड़ व श्री शुभम कुमार मौर्या ने विशेष भूमिका निभाई।

शपथ ग्रहण — महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज व गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांकः **31 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं महन्त अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे सभी छात्रा ने एकता का शपथ लिया। जिसमें बी.एस.सी. नर्सिंग 5 सेमेस्टर की छात्रा नीलिमा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और बच्चों को इकता का महत्व बताया।

एकता दिवस पर आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शपथ लेते विद्यार्थी

इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल अचंभेनाथ, महायोगी सत्यनाथ, महायोगी संतोषनाथ के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सत्यभामा सिंह, सुश्री श्रुति कुशवाहा, सुश्री अमृता व सुश्री सुप्रिया गुप्ता आदि का सहयोग रहा। यह कार्यक्रम गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता — गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

दिनांकः **27 अक्टूबर, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तरफ से विजिलेंस अवॉर्नेस वीक में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें श्री पुरेंद्र कुमार डेप्युटी रीजनल हेड, श्री जयेश कुमार चीफ विजिलेंस ऑफिसर, श्री प्रमोद कुमार बिजनेस रिलेशनशिप मैनेजर, श्री सौरभ आनंद श्रीवास्तव, श्री माही चौधरी, श्री कार्तिक ठाकुर मार्केटिंग ऑफिसर के द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करतीं छात्रा।

अक्टूबर माह के प्रमुख आयोजन

शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक : 13 से 14 अक्टूबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्विवद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित **गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज)** के सुश्रुत सत्र–2022–23 के सभी विद्यार्थी दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रातः 5 बजे वाराणसी के लिए प्रस्थान किये।शैक्षणिक भ्रमण के प्रथम दिन सर्वप्रथम वे बीएचयू आयुर्वेद संकाय पहुंचे। बीएचयू में विद्यार्थियों का स्वागत आयुर्वेद संकाय के डीन डॉ. पी के गोस्वामी ने किया। इसके बाद सभी विद्यार्थी बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर गए और काशीनाथ महाराज का दर्शन कर असी घाट मे गंगा आरती में सम्मिलित हुए। दिन के अंतिम भाग मे विद्यार्थियों ने भगवान संकट मोचन एवं माँ भगवती दुर्गा का दुर्गा कुंड मे जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं भ्रमण के द्वितीय दिवस पर आयुर्वेद विद्यार्थियों ने प्रातःकाल सर्व प्रथम माँ गंगा की वंदना कर पवित्र नदी गंगा माँ का आशीर्वाद प्राप्त कर देवो के देव काशीनाथ महाराज भगवान विश्वनाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात् आयुर्वेद के विद्यार्थी राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय वाराणसी का भ्रमण किया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस के आचार्य डॉ. शांति भूषण ने राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय वाराणसी को आभार ज्ञापित किया। इसके बाद विद्यार्थी बौद्ध दर्शन के प्रणेता एवं उपदेशक के प्रतीक स्थल सारनाथ गए, जहां भगवान बुद्ध ने अपने शिष्यों को ज्ञान प्रदान किया था। सारनाथ के विभिन्न पुरातत्व स्मारकों एवं पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण किया। तत्पश्चात सुश्रुत सत्र 202–2023 वापिस अपने इंस्टीट्यूट गोरखपुर के लिए प्रस्थान किया। पूरे भ्रमण मे आयुर्वेद कॉलेज के प्रथम व्यावसायिक सत्र के शिक्षक डॉ. शांति भूषण, डॉ. मिनी, डॉ. देवी, डॉ. सुमित, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. जसोबंता, श्री साध्वी नंदन ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बीएएमएस के विद्यार्थी एवं प्राध्यापकगण

दिनांक: **20 से 21 अक्टूबर, 2023** तक **गुरू गोरक्षनाथ इंस्ट्टियुट ऑफ मेडिकल सांइसेस** (आयुर्वेद कालेज) के नवीन आगंतुक बी.ए.एम.एस. (2023–24) के छात्र एवं छात्राओ के दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण हेतु दिनांक 20.10.2023 से 21.10.2023 तक लखनऊ स्थित विभिन्न रिसर्च संस्थाओ मे दो दिवसीय शैक्षिणिक भ्रमण करवाया गया। जिसमें सीएसआईआर–सीमैप, सीएसआईआर–सीडीआरआई, एनबीआरआई जैसे प्रमुख संस्थानों रहे। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार का संचार करना था एवं उनमें विभिन्न कौशलों का निर्माण भी करना था। इन दो दिनों में विद्यार्थियों ने आयुर्वेद से सम्बन्धित विभिन्न आयामों की जानकारी ली एवं उन्हें आत्मसात् किया।

दिनांक : 21 अक्टूबर, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के **कृषि संकाय** के छात्रों द्वारा माननीय कुलसचिव एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय के निर्देशानुसार गोरखनाथ मंदिर परिसर का भ्रमण किया और वहां एनबीआरआई नेशनल बोटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ से आए हुए वैज्ञानिकों से मिलकर लैंडस्केप गार्डेनिंग व गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के प्रवर्धन की विधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर पौधारोपण किया। कार्यक्रम कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह एवं डॉ. प्रवीण सिंह के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में पौधरोपण करते हुए कृषि संकाय के विद्यार्थी

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व

लखनऊ

नई दिल्ली

मेरी माटी, मेरा देश, अमृत कलश यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए छात्र शिवम पाण्डेय

भारत सरकार द्वारा चलाए गए **'मेरी माटी, मेरा देश, अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव** के समापन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र **शिवम पाण्डेय** को **28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर** तक के लिए गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था। वह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदायनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। दिनांक 26 अक्टूबर को जिला स्तर पर महापौर मगलेश श्रीवास्तव, युवा कल्याण अधिकारी ने अमित सिंह, सीमा पांडे ने अमृत कलश यात्रा को राज्य समापन के लिए रवाना किया और **दिनांक 28 अक्टूबर 2023 को शाम 4: 00** बजे उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सभी जिलों की एक प्रतिनिधित्व मंडल वृंदावन झूलेलाल वाटिका में एकत्रित हुए जहां पर उत्तर प्रदेश की **मुख्यमंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी महाराज, पर्यटन मंत्री, संस्कृति मंत्री** आदि ने उत्तर प्रदेश में आजादी के **अमृत कलश यात्रा** का समापन किया और वीरों के परिवार के सम्मान अर्पित कर हरी झंडी दिखाकर उन्होंने देश की राजधानी नई दिल्ली में कर्तव्य पथ के लिए रवाना किया। इसके साथ देश भर से 28 राज्य 8 केंद्रीय शासित प्रदेश 55 केंद्रीय मंत्रालय के लोग वहां पर 31 अक्टूबर 2023 शाम 4:00 बजे कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के यशस्वी **प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी** जी रहे। सभी केंद्रीय मंत्री आदि द्वारा यात्रा का समापन किया गया। शिवम पांडेय ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर अपने आप को भाग्यशाली और गौरवशाली मानते है की वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र हैं जिसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने को मौका मिला और यह कार्यक्रम लोगो की भावना से जुड़ा है इसके लिए शिवम पांडेय ने विश्वविद्यालय का आभार जताया।

विश्वविद्यालय की ही दो छात्राएं **शगुन शाही** (बीएससी बॉयोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष) और **अंजलि सिंह** (एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी द्वितीय वर्ष) का चयन **युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार** द्वारा **गणतंत्र दिवस परेड** में प्रतिभाग करने के लिए हुआ है। 20 से 29 नवम्बर, 2023 तक इन दोनों छात्राओं को देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखण्ड में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है की सिर्फ 2 साल के ही अपनी अवधि में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के छात्र सफलता का परचम लहराते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपने जिले, प्रदेश और विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं।

छात्रा शगुन शाही

छात्रा अंजली सिंह

इन तीनों छात्रों को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता व विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण द्वारा इनका स्वागत किया गया और भविष्य के लिए शुभकामनाओं के साथ सदैव ऐसे ही आगे बढ़ने के लिए आशीर्वाद दिया।

आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा

DAY - 1 8th Nov 2023	
Time	Event
8:00 am - 9:00 am	Breakfast and Registration
9:00 am - 9: 15 am	Reporting at Seminar Hall
9:15 am - 10.30am	Opening Ceremony
10.30 am - 10:45 am	Tea Break
10:45 am - 12:00 pm	Scientific Session 1: *Srotas*: An overview and exploration- Dr. Preetimayee Sahoo
12:00 pm - 12:15 pm	Tea Break
12:15 pm - 1:30 pm	Scientific Session 2: Exploring Ayurvedic approaches to diet and life style according to *Srotas* – Dr Mangalagowri V Rao
1:30 pm- 2:30pm	Lunch
2.30 pm – 03.30pm	Oral Presentation session 1 (Parallel Sessions in 2 Lecture Halls -LH 20 and LH 21, GGIMS)
3:30 pm – 3.45 pm	Tea break (Near Seminar Hall)
3.45 pm- 5:00 pm	Scientific Session 3: *Srotas* & Disease: Understanding the impact of *Srotodushti* - Dr. Prasanna Mogasale
5:00pm – 5:15 pm	Tea Break
5:15 pm onwards	MANDIR VISIT and campus visit
8:00 pm to 9:30 pm	Dinner

आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा

DAY - 2 9th Nov 2023	
Time	**Event**
8:00 am - 9 :00 am	Breakfast
9:00 am - 10:15 am	Scientific Session 4: Overview of management of *Srotodushti* - Dr. Niranjan Rao
10:15 am - 11:30 am	Scientific Session 5: Role of Ayurvedic surgical technique in the management of various *Srotodushti vikara* - Dr. Shiv Ji Gupta
11:30 am - 11:45 am	Tea Break
11:45 am - 1:30 pm	Oral presentation session 2 (Parallel Session in 3 Lecture Halls - LH 19, LH 20, LH 21 GGIMS) Poster presentations at Corridor GGIMS
1:30 pm - 2:30 pm	Lunch
2:30 pm - 3:45 pm	Scientific Session 6: Excretory channels exploring the diagnostic and therapeutic pathway - Dr Girish KJ
3:45 pm - 4:00 pm	Tea
4:00 pm onwards	Cultural programmes
7:00 pm to 8:30 pm	Dinner

आगामी राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूपरेखा

DAY - 3 10th Nov 2023	
Time	**Event**
7:00 am – 8:00 am	Dhanvatari Havana at College Building, Ground Floor
8:00 am – 9:00 am	Breakfast
9:00 am - 10:15 am	Scientific Session 7: Understanding *Manovaha Srotas* and its role in psychosomatic diseases - Dr. Ram Manohar P.
10:15 am - 11:30 am	Scientific Session 8: Integrated diagnostic approaches for understanding *Srotasdushti* - Dr. Parameshwarappa S Byadagi
11:30 am - 11:45 am	Tea Break
11:45 am - 2:00 pm	Ayurveda day and Valedictory ceremony
2:00 pm - 3:00 pm	Lunch

नवम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

विश्वविद्यालय

10 नवम्बर, 2023	धन्वंतरि महोत्सव

विभागीय आयोजन

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

08 नवम्बर, 2023	तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (उद्घाटन)
09 नवम्बर, 2023	तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (प्रस्तुतिकरण)
10 नवम्बर, 2023	तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (समापन)
10 नवम्बर, 2023	धन्वंतरी जयंती
27 नवम्बर, 2023	PA1

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

04 नवम्बर, 2023	फ्रेशर्स पार्टी (2023–24)
02, 09, 23, 30 नवम्बर, 2023	साप्ताहिक पोस्टिंग (स्नातकोत्तर)
01 से 05 नवम्बर, 2023	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान
06 नवम्बर, 2023	कैंपस प्लेसमेंट (स्नातकोत्तर)
21 से 29 नवम्बर, 2023	तृतीय आतंरिक परीक्षा

कृषि संकाय

03 नवम्बर, 2023	एक दिवसीय कार्यशाला (निर्जलीकरण पुष्पशिल्प)
22 से 28 नवम्बर, 2023	द्वितीय आंतरिक परीक्षा
25 नवम्बर, 2023	अतिथि व्याख्यान
27 से 28 नवम्बर, 2023	शैक्षणिक भ्रमण

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

04 नवम्बर, 2023	फ्रेशर्स पार्टी (2023–24)
07 से 10 नवम्बर, 2023	मौखिक, प्रायोगात्मक परीक्षा
21 से 24 नवम्बर, 2023	आंतरिक परीक्षा

नवम्बर माह की प्रस्तावित कार्ययोजनाएं

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

02 नवम्बर, 2023	मास हेल्थ एजूकेशन
08 से 09 नवम्बर, 2023	स्कूल हेल्थ प्रोग्राम
17 नवम्बर, 2023	लंग कैंसर एवेयरनेस प्रोग्राम
29 नवम्बर, 2023	एवी एड्स एक्जिविशन (बीएससी पंचम सेमेस्टर)

फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल संकाय

01 से 05 नवम्बर, 2023	प्रस्तावित अतिथि व्याख्यान
08 से 09 नवम्बर, 2023	स्कूल हेल्थ प्रोग्राम

राष्ट्रीय सेवा योजना

04 नवम्बर, 2023	बाल दिवस
06 नवम्बर, 2023	मलेरिया दिवस
08 से 10 नवम्बर, 2023	धन्वंतरि आयुर्वेद उत्सव
10 नवम्बर, 2023	अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
12 नवम्बर, 2023	विश्व निमोनिया दिवस
14 नवम्बर, 2023	राष्ट्रीय बाल दिवस
14 नवम्बर, 2023	विश्व मधुमेह दिवस
19 नवम्बर, 2023	राष्ट्रीय एकीकरण दिवस
26 नवम्बर, 2023	राष्ट्रीय दुग्ध दिवस
26 नवम्बर, 2023	राष्ट्रीय संविधान दिवस

अक्टूबर माह की प्रमुख बैठकें

04 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में नेशनल स्कील डेवलपमेंट कारर्पोरेशन के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने के सम्बन्ध में बैठक।

10 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आईटी सेल की बैठक।

10 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में नैक की प्रगति एवं प्रस्तुतिकरण हेतु नैक स्टीयरिंग समिति की बैठक।

13 अक्टूबर, 2023, विश्वविद्यालयों बसों की डेटिंग व पेटिंग सम्बन्धित बैठक।

13 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में महिला एवं पुरूष छात्रावास में समान भोजन सूची व्यवस्था किए जाने हेतु बैठक।

13 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में नैक की प्रगति एवं प्रस्तुतिकरण हेतु नैक स्टीयरिंग समिति की बैठक।

14 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलसचिव जी की अध्यक्षता में महिला छात्रावास के संचालन पर विचार–विमर्श किए जाने हेतु बैठक।

17, 20 एवं 27 अक्टूबर, 2023, स्वावलंबी समिति की समन्वयक की अध्यक्षता में मिशन स्वावलम्बी समिति की बैठक।

26 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय में कक्षाओं आदि के संचालन पर बैठक।

27 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयुर्वेद कॉलेज में 8 से 10 नवम्बर को आयोजित हो रहे 'सुखायू–2023' की समीक्षा हेतु बैठक।

27 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में 'आरोग्य पथ पत्रिका' के संपादक मण्डल की बैठक।

30 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में SERB-SURE OF DST योजना के अंतर्गत सभी विभागों द्वारा प्रोजेक्ट प्रस्ताव तैयार किए जाने पर विचार–विमर्श।

31 अक्टूबर, 2023, माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में 4–10 दिसम्बर, 2023 के मध्य महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक समारोह में विश्वविद्यालय की सहभागिता हेतु बैठक।

हमारी विरासत

महर्षि भारद्वाज

महर्षि भारद्वाज ने विमानशास्त्र का अविष्कार किया

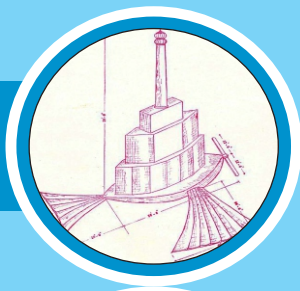

महर्षि आर्यभट्ट

महर्षि आर्यभट्ट महान गणितज्ञ थे जिन्होंने 'शुन्य' की खोज की

महर्षि कपिल

महिर्ष कपिल को सांख्यदर्शन दर्शन का जनक कहा जाता है

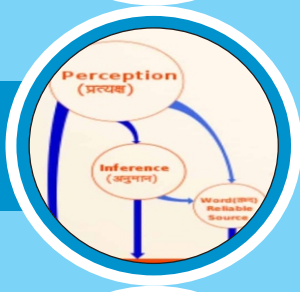

महर्षि कात्यायन

वररुचि कात्यायन पाणिनीय सूत्रों के प्रसिद्ध वार्तिककार हैं

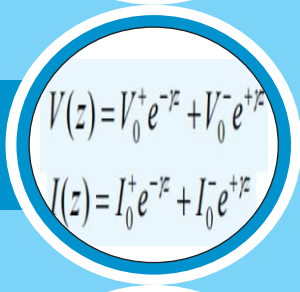

आचार्य वृहस्पति

आचार्य वृहस्पति नवग्रहों के समूह के नायक भी माने जाते हैं इन्होंने ही बार्हस्पत्य सूत्र की रचना की थी

आचार्य पंतजलि

योगसूत्र के रचनाकार महर्षि पतंजलि हैं

वृषभ देव

भगवान वृषभदेव जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर हैं

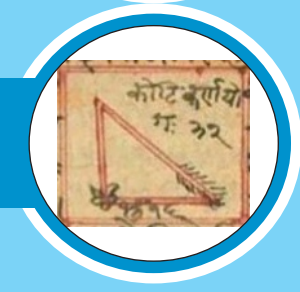

हमारी विरासत

महर्षि रामानुजाचार्य

महर्षि रामानुजाचार्य ने विशिष्टाद्वैत सिद्धांत दिया

आचार्य नागार्जुन

इन्हें रसशास्त्र एवं धातुकर्म का जनक कहा जाता है।

महर्षि माधवाचार्य

इन्होंने गुरूत्वाकर्षण के सिद्धांत को प्रतिपादित किया

महर्षि आदि शंकराचार्य

इन्होंने अद्वैतदर्शन का प्रतिपादन किया

महर्षि वराहमीहिर

इन्होंने गणित एवं खगोलशास्त्र में शोध किया जिसके परिणाम स्वरूप मापक घटयंत्र, इंन्द्रप्रस्थ में लौह स्तम्भ व वेधशाला की स्थापना हुई

महर्षि बौधायन

इन्होंने पाइथागोरस प्रमेय का सूत्रपात किया

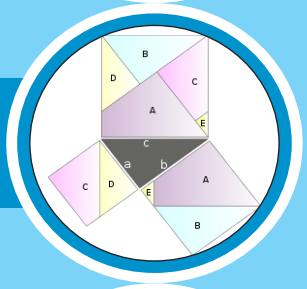

महर्षि बदरायन व्यास

इन्होंने ब्रह्मसूत्र (जो वेदान्त दर्शन का आधारभूत ग्रंथ है) की रचना की

हमारी विरासत

महर्षि जैमिनी

मीमांसा सूत्र जैमिनी महर्षि जैमिनी द्वारा रचित है

महर्षि पाणिनी

पाणिनि संस्कृत भाषा के सबसे बड़े वैयाकरण हुए हैं। इनके व्याकरण का नाम अष्टाध्यायी है

महर्षि वाग्भट्ट

प्रसिद्ध ग्रंथ अष्टांगसंग्रह एवं अष्टांगहृदयम के रचयिता महर्षि वाग्भट्ट

महर्षि चरक

महर्षि चरक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के जनक एवं चरकसंहिता के लेखक हैं।

महर्षि गौतम

इन्होंने न्यायसूत्र का प्रतिपादन किया

महर्षि अगस्त्य

वर्तमान समय में प्रयोग होने वाली विद्युत सेवा की खोज लगभग 600 वर्ष पूर्व महर्षि अगस्त्य जी द्वारा की गई थी

महर्षि कणाद

परमाणु संरचना की अवधारणा महर्षि कणाद द्वारा दी गई

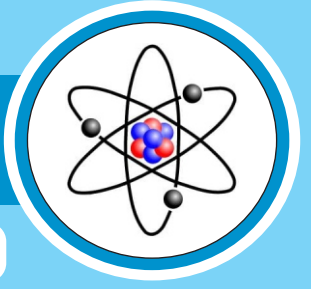

हमारी विरासत में वर्णित महर्षियों की विस्तृत जानकारी आगामी अंक में क्रमशः प्रकाशित किए जाएंगे।

आयुर्वेद जीवन के प्रतिदिन का विज्ञान : डॉ तोमर

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस के नए बैच के दीक्षा पाठ्यचर्या का शुभारंभ

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में नव प्रवेशित बीएएमएस सत्र 23-24 वाग्भट्ट बैच का दीक्षा पाठ्यचर्या कार्यक्रम एवं विश्वविद्यालय मे संचालित फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस के प्रथम बैच का दीक्षारंभ का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ जीएस तोमर पूर्व प्राचार्य एवं डीन श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेयी ने दीप प्रज्वलन कर किया। अपने उद्बोधन में डॉ तोमर ने कहा कि आप ने यहाँ अपने आप प्रवेश नही लिया है, भगवान गुरु गोरक्षनाथ ने आपको अपने समीप बुलाया है। इसी प्रेरणा से आपको इस पावन भूमि पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। ये आपका सौभाग्य है की विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति से आप को जुड़ने का अवसर मिल रहा है। आयुर्वेद मे जीवाणु से संक्रमित व्याधियों का वर्णन है तो और उनके टीकाकरण एवं

बचाव का वर्णन भी मिलता था। आयुर्वेद हमारे प्रतिदिन का विज्ञान है जिसे जान कर समझ आप निरोगी रह कर सुखी जीवन जी सकते हैं। इस अवसर पर श्रीसुब्बा राव पूर्व वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा की आप भारत वर्ष के एक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय मे आये हैं। यहाँ आपको उच्चकोटि की शिक्षा व्यवस्था मिलेगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं विश्विद्यालय के कुलाधिपति के नेतृत्व में आप सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे, बस जरूरत है आपके सतत प्रयास एवं परिश्रम की। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अतुल बाजपेयी ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वागत करते हुए कहा कि ये विश्विद्यालय आप का है। आपको यहां पठन पाठन एवं शोध कार्य से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। फार्मास्यूटिकल के प्राचार्य डॉ शशिकांत ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा ये 4 साल आपके जीवन के तपस्या के दिन हैं। अगर आप इस अवधि में परिश्रम करेंगे तो आगे जीवन की राह सुगम हो जाएगी। कार्यक्रम मे स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने और आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ पीयूष वर्षा ने किया। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस प्रथम वर्ष के सुश्रुत बैच के छात्रों ने किया कार्यक्रम में प्रो. हर्ष सिन्हा आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय गोरखपुर, डॉ अश्विनी कुमार मिश्रा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर सभी विद्यार्थी एवं कुलसचिव डा प्रदीप राव सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

epaper हिन्दुस्तान

गोरखनाथ विश्वविद्यालय में दीक्षा कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथिगण ।

आयुर्वेद जीवन के प्रतिदिन का विज्ञान : डॉ. तोमर

- गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में बीएएमएस के नए बैच के दीक्षा पाठ्यचर्या का शुभारंभ

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में नव प्रवेशित बीएएमएस बैच का दीक्षा पाठ्यचर्या कार्यक्रम बुधवार को आयोजित हुआ। फार्मास्यूटिकल साइंस के प्रथम बैच का दीक्षारंभ का उद्घाटन लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ जीएस तोमर एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेयी ने किया।

डॉ तोमर ने कहा कि यह छात्रों का सौभाग्य है कि विश्व की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति से जुड़ने का अवसर फार्मास्यूटिकल के प्राचार्य डॉ शशिकांत ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा अगले चार साल आपके जीवन के तपस्या के दिन हैं। अगर आप इस अवधि में परिश्रम करेंगे तो आगे जीवन की राह सुगम हो जाएगी।

आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ

दीक्षा पाठ्यचर्या | गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षा पाठ्यचर्या का दूसरा दिन

अच्छा वैद्य बनने को सतत अध्ययन जरूरी

भटहट, हिन्दुस्तान संवाद। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज में सत्र 2023-24 बैच का दीक्षा पाठ्यचर्या चल रहा है। गुरुवार को दूसरे दिन बीएएमएस विद्यार्थियों को संबोधित करने के लिए बतौर मुख्य वक्ता महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ सीके राजपूत उपस्थित रहे।

डॉ राजपूत ने कहा कि अच्छा वैद्य बनने के लिए अपने पाठ्यक्रम की पूर्ण जानकारी, सतत अध्ययन, प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता होती है। चिकित्सा के क्षेत्र में वैद्य, औषध, परिचारक और रोगी ये सभी महत्वपूर्ण स्तम्भ की तरह होते हैं। इनके श्रेष्ठ गुणों का संहिताओं में वर्णन मिलता है। किसी एक के भी गुणहीन होने पर चिकित्सा में पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं होती है। औषध भी रस, गुण, वीर्य, विपाक आदि से पूर्ण होने पर चिकित्सा कार्य में सिद्धि देने वाला होता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरुवार को दीक्षा पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को संबोधित करते अतिथि।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा कार्य में सफल होने के लिए मानव शरीर के शरीर रचना और शरीर क्रिया का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही आयुर्वेद चिकित्सक बनना बिना संहिता ज्ञान के सम्भव नहीं है। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, समन्वयक डॉ पीयूष वर्षा सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

गोरखनाथ विवि के 51 छात्रों ने किया रक्तदान

गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रक्तदान करते लोग।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के चिकित्सालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने किया।

एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रोहित कुमार श्रीवास्तव, एनसीसी के संरक्षक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने रक्तदान कर महादान की शुरुआत की। शिविर की समाप्ति के समय कुल 51 यूनिट रक्तदान हुआ। डॉ. जशोबंत डनसना, धनंजय पांडेय, सत्यभामा, खुशबू, डॉ. विकास कुमार यादव, डॉ. हरिकृष्ण, डॉ. जीके मिश्रा मौजूद रहे।

खून की कमी के दृष्टिगत आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डेंगू के प्रकोप के कारण हुई रक्त की कमी को देखते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के चिकित्सालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने किया।

शिविर उद्घाटन के उपरांत राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन लएस एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ

रोहित कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कैडेट कोर के संरक्षक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव में रक्तदान कर महादान की शुरुआत की। इसके बाद विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापकों, कर्मचारियों, आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थियों, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय एवं कृषि विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। मध्यावकाश के उपरांत गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने रक्तदान शिविर में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदान शिविर की समाप्ति के समय कुल 51 यूनिट ब्लड गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक एवं कंपोनेंट्स सेंटर को समाज सेवा के लिए समर्पित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जशोबंत डनसना, धनंजय पांडे, सत्यभामा, खुशबू, डॉ. विकास कुमार यादव, राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ.हरिकृष्ण, हॉस्पिटल के प्रबंधक डॉ. जीके मिश्रा एवं समस्त कर्मचारियों व स्वयंसेवकों का योगदान रहा।

समय को अपना मित्र बनाएं करें सम्मान : डॉ. प्रदीप राव

दीक्षा पाठ्यचर्या

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज) में बीएएमएस नए सत्र के विद्यार्थियों के दीक्षा पाठ्यचर्या चल रही है। शुक्रवार को इसका तीसरा दिन रहा। शुक्रवार को प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप राव ने 'हम, हमारा जीवन, जीवनोपदेश' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जीवन की पहली शर्त है समय का पालन। यह जीवन को सुलभ बनाता है। समय के अनुसार चलेंगे तो समय आपके अनुसार चलेगा। समय को अपना मित्र बनाये। समय का सम्मान करें। तभी जीवन आसान होगा।

द्वितीय सत्र में बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन के डॉ राजकिशोर ने आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से छात्रों का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि साक्ष्य आधारित होकर शोध कार्य द्वारा प्रमाणिकता सिद्ध करनी होगी। विश्व ने योग की प्रामाणिकता को स्वीकार किया है आयुर्वेद को वह स्थान क्यों नहीं मिला यह विचारणीय प्रश्न है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 मे युवाओं पर सर्वे किया गया। जिसमें पता चला कि विश्व में डेढ़ करोड़ युवा बिना किसी चिकित्सीय परामर्श के आयुर्वेदिक दवाओं का सेवन करते हैं। जिसके कारण औषधियों के परिणाम दिखने चाहिए वो नहीं मिल पाते।

तृतीय सत्र में आरोग्य मंदिर के निदेशक डॉ विमल मोदी ने कहा कि लाइफ स्टाइल डिसऑर्डर आज के समय की बहुत बड़ी समस्या है। मॉडर्न पैथी के पास इसको ठीक करने के उपाय नहीं हैं। वह लक्षणों के आधार पर चिकित्सा करते हैं। इसका काफी सकारात्मक प्रभाव दिखता है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ मंजूनाथ, डॉ नवीन, डॉ पीयूष वर्षा, डॉ विक्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह उपस्थित रहीं।

रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाता है लहसुन : प्रो. डीके सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में दीक्षा पाठ्यचर्या का सातवां दिन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में चल रहे पाठ्यचर्या के दौरान मुख्य वक्ता गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रो. डीके सिंह ने कहा कि आयुर्वेद में लहसुन के बहुत सारे गुण बताए गए हैं। यह रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है। अगर कोई व्यक्ति 10 ग्राम लहसुन 50 दिन तक नियमित खाए तो उसे 50 साल तक कोई बीमारी नहीं होगी।

प्रो. डीके सिंह बुधवार को दीक्षा पाठ्यचर्या के सप्तम दिन नव प्रवेशित बीएएमएस वागभट सत्र (23-24) के विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को लहसुन को अपने रोज के भोजन में शामिल करने की सलाह देते हुए कहा कि लहसुन आपके रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है। खून के बहाव को नियंत्रित कर हृदय रोग से बचाव करता है। लहसुन की विश्व में 300 प्रकार की प्रजातियां उपलब्ध हैं।

कहा कि वैज्ञानिकों का मानना है कि 10 ग्राम लहसुन 50 दिनों तक रोज खाने से 50 साल तक व्यक्ति रोग मुक्त रहेगा। मिस्र देश में विश्व की पहली मजदूरों की हड़ताल लहसुन के कारण हुई थी, क्योंकि पिरामिड बनाने वाले मजदूरों को खाने में लहसुन देना बंद कर दिया गया था।

Physical and mental healths both are important for a healthy life: Aparna

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: Dr. Aparna Pathak gave a lecture on the topic of physical and mental health in the lecture program of the morning session of the initiation course for newly admitted BAMS students in the Ayurveda College run under Mahayogi Gorakhnath University. She said that for a healthy life, both physical and mental health have a very important role in life. A healthy mind resides in a healthy body, hence we can keep our body healthy by following the rules of daily routine and seasonal habits as prescribed in Ayurveda Shastra. But this is not enough, along with physical health, mental health is also needed, hence we should also adopt yoga in life. While delivering the Personality Development lecture in the next session of Diksha Curriculum, Dr. KK Dwivedi, Professor, Department of Physical Therapy, Jeevak Ayurved Medical College, said that personality development means enhancing one's qualities for overall development. A strong personality increases self-confidence. Principal Dr. Manjunath, Prof Dr. Naveen, Associate Prof Dr. Piyush Varsha, Associate Prof Dr. Vinram Sharma, Assistant Prof Dr. Pragya Singh, Assistant Prof Sadhvi Nandan Pandey and all the students of Vagbhatta batch were present in the program.

मेरी माटी मेरा देश के तहत एकत्रित हुई माटी

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा गुरुवार को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा निकाली गयी। अमृत कलश यात्रा का शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार बाजपेई एवं कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के द्वारा अमृत कलश में चावल और मिट्टी डालकर प्रारंभ की। कलश यात्रा विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से होते हुए मां पाटेश्वरी सेवा आश्रम के सामने से गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग पहुंची जहां पर कलश में कलश में वहां के प्राचार्य डॉक्टर डी अजीथा एवं समस्त कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा चावल मिट्टी डाला गया। उसके उपरांत कलश यात्रा महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में गई जहां प्राचार्य डॉ रोहित कुमार श्रीवास्तव द्वारा उसका स्वागत किया गया और सभी विद्यार्थियों ने कलश में अपने गांव से लाई हुई मिट्टी और चावल डालें। अगली कड़ी यात्रा गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस (आयुर्वेद कॉलेज) सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय ,कृषि संकाय गई जहां पर सभी छात्रों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ अपने अपने अपने पास के लाये चावल और मिट्टी को अमृत कलश में डाला। कलश यात्रा के शुभारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति जी ने अमृत कलश का निर्माण क्यों किया जाता है इससे हमें क्या शिक्षा लेनी चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे कार्यक्रम अधिकारी डॉ जसोवंत डनशना, डॉ.विकास कुमार यादव, अमृता, सत्यभामा, खुशबू मोदनवाल, सुप्रिया गुप्ता, धनंजय पांडे आदि उपस्थित रहे।

लैंगिक संवेदनशीलता पर खुलकर बात करने से कतराता है समाज:शीलम

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज) मे दीक्षा पाठ्यचर्या के 8 वें दिन बी ए एम एस विद्यार्थियों को नारी सशक्तीकरण विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्रीमती शीलम बाजपेई, परियोजना एवं प्रशासनिक निदेशक समाधान अभियान एन जी ओ ने कहा कि लैङ्गिक संवेदनशीलता एक ऐसा विषय है जिस पर हमारा समाज खुल कर बात करने से कतराता है।

उन्होंने कहा घर पर माता पिता हों या विद्यालय में शिक्षक इस विषय पर बात करने से परहेज करते हैं जो कि गलत है आज आवश्यकता है खुल कर बात करने कि प्रत्येक लिंग के प्रति सम्मान का भाव रखने की।

हमें एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें महिला हो या पुरुष प्रत्येक का अधिकार सुरक्षित रहे। हमारे समाज में हमें बचपन से एहसास कराया जाता है कि तुम लड़के हो तो नहीं सकते तुम लड़की हो तुम्हें घर के काम काज सीखना चाहिए आवश्यकता है इस विचारधारा को बदलने की इसकी शुरूआत हमें अपने घर से करनी चाहिए लिंग समानता के मूल्यों पर ध्यान देना चाहिए इस जड़वादी दृष्टिकोण को समाप्त करने का यह महत्वपूर्ण साधन है।

इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में दिलाई गई पंचप्रण की शपथ

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न इकाइयों द्वारा पंचप्रण की शपथ दिलायी गयी । राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ, महायोगी आदिनाथ एवं महायोगी मत्स्येंद्र नाथ ईकाई द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कार्यक्रम समन्यवक डा. अखिलेश कुमार दुबे ने सभी को राष्ट्रीय सेवा योजना के मूल अवधारणा से अवगत कराते हुए कहा कि इसका का मुख्य उद्देश्य सेवा के माध्यम से ही शिक्षा देना है ।

पंचप्रण के सभी बिंदु पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा की व्यक्ति को मनसा,वाचा और कर्मणा से देश को विकसित,एकता,अखंडता और गुलामी के मानसिकता के प्रति जागरूक होकर समाज और देश के विकाश हेतु सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय ने सभी को पंचप्रण की शपथ दिलाई। जिसमें विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति पाना, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता एवं नागरिक में अपने कर्तव्यों की भावना और अपने दायित्वों का निर्वाह करना शामिल था।

कार्यक्रम में गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय, डा. विकास यादव एवं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित थे। महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कालेज के प्राचार्य रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई- महायोगी संतोषनाथ के द्वारा अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम के अन्तर्गत अमृत काल के पंचप्रण का शपथ ग्रहण दिलाया गया। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता व पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पंच प्रण का शपथ दिलाते स्वयंसेवक शिवम पाण्डेय। फोटो : एसएनबी

संस्कृत एवं आयुर्वेद का अन्योन्या संबंध : डा. जोखन पांडे

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज) मे दीक्षा पाठ्यचर्या के 9 वें दिन बी ए एम एस विद्यार्थियों को वदतु संस्कृतम् विषय पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डा जोखन पांडे जी ने आयुर्वेद विषय में संस्कृत के महत्व पर प्रकाश डाला तथा भविष्य के वैद्य को संस्था के माध्यम से जनसेवा करने के लिए प्रेरित किया। संस्कृत एवं आयुर्वेद का अन्योन्या संबंध है और उत्तम आयुर्वेद चिकित्सक बनने हेतु दोनो का ज्ञान आवश्यक होता है।सा के वैज्ञानिकों ने संस्कृत को उत्तम भाषा की परिभाषा दी है । संस्कृत यह भारत वर्ष की आत्मा है और हमे इस पर गर्व होना चाहिए। आयुर्वेद के विद्यार्थियों को अभ्यास का महत्व बताते हुए संस्कृत को दैनिक बोल चाल की भाषा के रूप में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

कण-कण में है संस्कृत भाषा : डा. प्रकाश

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कालेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या के 10वें दिन द्वितीय सत्र में बीएएमएस विद्यार्थियों को वदतु संस्कृतम् विषय पर संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डा. प्रकाश झा (प्रांत संघ मंत्री, संस्कृत भारती, गोरक्षप्रांत) ने बताया कि संस्कृत भाषा कण-कण में है।

शुद्ध संस्कृत उच्चारण, उच्चारण स्थान एवं प्राणायाम के संबंध को विद्यार्थियों से प्रयोग करा कर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। द्वितीय सत्र में डा. वी. रामनाथन, सहायक आचार्य डिपार्टमेंट आफ केमिस्ट्री आईआईटी बीएचयू ने विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने के लिए परिश्रम और बुद्धिमता दोनों का महत्व बताया। सिद्ध एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में पारद निर्मित औषधियों का वर्णन दिया तथा भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों में आयुर्वेद की व्यापकता की जानकारी साझा की। तृतीय सत्र में लेफ्टिनेंट जनरल दुष्यंत सिंह ने वर्बल एवं नान वर्बल स्किल्स को व्यक्तित्व विकास का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ कम्युनिकेशन स्किल संबंधित प्रयोग कर के दिखाया। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के कुलपति डा. मेजर अतुल बाजपाई, कुलसचिव डा. प्रदीप राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, सह आचार्या डा. पीयूष वर्षा, डा. विनम्र शर्मा, सहायक आचार्य डा. सर्वभौमा आदि शिक्षक उपस्थित थे।

दीक्षा पाठ्यचर्या का 10वां दिन

रैली निकाल स्वयंसेवकों ने लिया नारी सुरक्षा का संकल्प

जासं, गोरखपुर: महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर और राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से शनिवार को रैली निकाल कर नारी सुरक्षा, सम्मान और नारी स्वावलंबन का संकल्प लिया। रैली, विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से शुरु होकर प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा तक गई और फिर वापस वहीं आकर समाप्त हुई। एनसीसी आफिसर डा. हरिकृष्ण ने कहा कि देश में नारी का योगदान सभी के लिए प्रेरणादायक है।

महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को निकली रैली

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे ने किया। रैली विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रारंभ होकर सोनबरसा ग्राम होते हुए प्राथमिक विद्यालय सोनबरसा तक गई। इस दौरान नारों से पूरा क्षेत्र गुंजयमान रहा। रैली में कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय, डा. विकास कुमार यादव, सत्यभामा, सुप्रिया गुप्ता अभिनव कुमार सिंह राठौड़ एवं सभी इकाइयों के स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

शोध से और उन्नतशील हो सकता है आयुर्वेद : डा. शासनी

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आये राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान लखनऊ के निदेशक डा अजीत कुमार शासनी ने संस्थान में हो रहे विभिन्न शोध एवं उसके प्रसार के बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति डा. अतुल बाजपेयी एवं अन्य को अवगत कराया। डा. शासनी ने विश्वविद्यालय परिक्षेत्र का भ्रमण किया और विश्वविद्यालय के साथ कृषि और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शोध-प्रसार और तकनीकी के आदान- प्रदान में सहभागिता की इच्छा जताई।

डा. शासनी ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की शोध के माध्यम से आयुर्वेद को और उन्नतशील किया जा सकता है। निदेशक के साथ आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. शरद श्रीवास्तव ने जड़ी बूटियों से बनी दवा एवं वर्तमान में उसके प्रासंगिकता के बारे में बताया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. श्रीकृष्ण तिवारी ने जानकारी दी कि कैसे राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान गंगा के मैदानी इलाके में उगने वाले विभिन्न पेड़-पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन कर रहा है।

महायोगी गोरखनाथ विवि का भ्रमण कर कुलपति डा.अतुल बाजपेयी के साथ निदेशक राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ डा.अजीत कुमार शासनी व अन्य।

परिचर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डा. विमल कुमार दुबे उपस्थित रहे।

विधिविधान के साथ संपन्न कराया गया शिष्योपनयन कार्यक्रम

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। सोमवार एवं शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कॉलेज के दीक्षा पाठ्यचर्या के अंतर्गत नवप्रवेशित वाग्भट्ट सत्र 23-24 के विद्यार्थियों का शिष्योपनयन कार्यक्रम पूरी विधिविधान के साथ शास्त्रीय विधि से पूजा, हवन कराकर संपन्न कराया गया, शिष्योपनयन कार्यक्रम मे अचार्य साध्वी नंदन पांडेय ने चरक संहिता में दी गयी शपथ विद्यार्थियों से दिलाई। प्रण कराया की वे सदैव लोकल्याण की भावना से निस्वार्थ भाव से कार्य करेंगे।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में पूर्व सत्र के विद्यार्थियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मध्य परिचय एवं संवाद कराया गया। तृतीय सत्र में विद्यार्थियों को संबोधित करने नेशनल बोटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ के निदेशक डॉ अजीत कुमार शाशनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है बस जरूरत है उसमें बताये गए सिद्धान्तों को वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित करने की।आयुर्वेद मे वात, पित, कफ शरीर के मूलभूत आधार स्तंभ है, आयुर्वेद मे औषध के संग्रह काल का, अनुपान का वर्णन मिलता है। इसका वैज्ञानिक विश्लेषण करने मे इसकी गुणों का अध्ययन करने पर इसके गुणों के अंदर जो बदलाव आता है। निश्चित समय मे औषध की गुणवत्ता श्रेष्ठ होती है। चतुर्थ सत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर की निदेशक वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जुड़ कर होलिस्टिक हेल्थ विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि होलिस्टिक हेल्थ यानी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहना। होलिस्टिक हेल्थ के पांच पहलु बताएं जाते हैं- शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक और मानसिक। इसमे असुंतलित जीवन शैली को संतुलित जीवन शैली में बदला जाता है। मॉडर्न मेडिसिन केवल लक्षणों पर कार्य करती है लेकिन आयुर्वेद एवं अन्य प्रकृति चिकित्सा रोग के मूल कारण को दूर करने की दृष्टिकोण वाली होती है। अपनी जीवन शैली को संतुलित आहार, व्यायाम, ध्यान, योग, आदि के द्वारा सुधार सकते हैं।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ शिष्योपनयन

गोरखपुर (एसएनबी)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कालेज के दीक्षा पाठ्यचर्या के अंतर्गत नवप्रवेशित वाग्भट्ट सत्र 23-24 के विद्यार्थियों का शिष्योपनयन कार्यक्रम विधि-विधान के साथ शास्त्रीय विधि से पूजा, हवन कराकर संपन्न कराया गया।

शिष्योपनयन कार्यक्रम मे अचार्य साध्वी नंदन पांडेय ने चरक संहिता में दी गयी शपथ विद्यार्थियों से दिलाई। प्रण कराया कि वे सदैव लोकल्याण की भावना से निस्वार्थ कार्य करेंगे। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में पूर्व सत्र के विद्यार्थियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मध्य परिचय एवं संवाद कराया गया। तृतीय सत्र में नेशनल बोटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ के निदेशक डा. अजीत शासनी ने कहा की आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद में वात, पित, कफ शरीर के मूलभूत आधार स्तंभ है। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्थान में आने के लिए आमंत्रित भी किया। डा. एसके तिवारी, डा. शरद श्रीवास्तव ने भी विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

चतुर्थ सत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान गोरखपुर की निदेशक वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जुड़ कर होलिस्टिक हेल्थ विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि होलिस्टिक हेल्थ यानी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ रहना। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एन, डा. पियूष वर्षा, डा. सुमित, डा. विनम्र सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शोध से आयुर्वेद होगा उन्नतशील:डॉ शासनी

☐ कृषि और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शोध-प्रसार और तकनिकी के आदान- प्रदान में होगी सहभागिता

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान लखनऊ के निदेशक डॉ अजीत कुमार शासनी ने राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान में हो रहे विभिन्न शोध एवं उसके प्रसार के बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अतुल बाजपेयी एवं अन्य को अवगत कराया क डॉ शासनी ने विश्वविद्यालय परिक्षेत्र का भ्रमण किया और विश्वविद्यालय के साथ कृषि और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शोध-प्रसार और तकनिकी के आदान- प्रदान में सहभागिता की इच्छा जतायी कडॉ शासनी ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की शोध के माध्यम से आयुर्वेद को और उन्नतशील किया जा सकता है क

निदेशक राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान के साथ आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ शरद श्रीवास्तव ने जड़ी बूटियों से बनी दवा एवं वर्तमान में उसके प्रासंगिकता के बारे में बताया और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कृष्ण तिवारी ने जानकारी दी कि कैसे राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान गंगा के मैदानी इलाके में उगने वाले विभिन्न पेड़- पौधों का संरक्षण एवं उनका संवर्धन कर रहा है कपरिचर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दुबे उपस्थित रहे क

समाचार दर्पण

राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान लखनऊ के निदेशक पहुंचे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान लखनऊ के निदेशक डॉ अजीत कुमार शासनी का आगमन हुआ, इस दौरान डॉ शासनी ने राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान में हो रहे विभिन्न शोध एवं उसके प्रसार के बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अतुल बाजपेयी एवं अन्य को अवगत कराया ढ्ढ डॉ शासनी ने विश्वविद्यालय परिक्षेत्र का भ्रमण किया और विश्वविद्यालय के साथ कृषि और आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध, शोध-प्रसार और तकनिकी के आदान- प्रदान में सहभागिता की इच्छा जतायी ढ्ढ डॉ शासनी ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की शोध के माध्यम से आयुर्वेद को और उन्नतशील किया जा सकता है निदेशक राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान के साथ आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ शरद श्रीवास्तव ने जड़ी बूटियों से बनी दवा एवं वर्तमान में उसके प्रासंगिकता के बारे में बताया और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ श्री कृष्ण तिवारी ने जानकारी दी कैसे राष्ट्रीय वनस्पति अनुसन्धान संस्थान गंगा के मैदानी इलाके में उगने वाले विभिन्न पेड़-पौधों का संरक्षण एवं उनका संवर्धन कर रहा है ढ्ढ परिचर्चा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ विमल कुमार दुबे उपस्थित रहे।

रोगी परीक्षा व औषधीयों के चुनाव की दी गई जानकारी

☐ गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कॉलेज के हुआ दीक्षा पाठ्यचर्या

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता / गोरखपुर।महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेस आयुर्वेद कॉलेज के दीक्षा पाठ्यचर्या मे वर्चुअल माध्यम से विद्यार्थियों के साथ जुड़े डॉ प्रसन्न कुलकर्णी विभागाध्यक्ष स्वस्थवृत्त विभाग , कालबीरवेश्वर स्वामी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज विजयनगर ,बैंगलोर ने आई. टी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दोनों के फायदे के बारे में छात्रों को बताया ।आधुनिक तकनीक हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार आसान किया है ,कैसे करना है , जैसे महामारी के समय ये तकनीक हमारी मददगार साबित हुई ,इस बारे में आयुर्वेद के छात्रों को बताया । चिकित्सा के क्षेत्र में डिजिटल रूप में मरीजों की जानकारी रखना ,स्वास्थ्य सूचना आदान प्रदान में आई.टी एवं ए. आई की उपयोगिता के बारे में बताया ।आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में रोगी परीक्षा , रोग परीक्षा ,औषधियों के चुनाव में चिकित्सा के चुनाव में सम्यक आहार ,विहार के चुनाव में आईटी एवं ए .आई के उपयोग के बारे में विद्यार्थियों को बहुत ही सरल तरीके से बताया । दीक्षा पाठ्यचर्या के अगले सत्र मे बी एच यू क्रिया शरीर के आचार्य वैद्य सुशील दूबे ने विद्यार्थियों को नाड़ी एवं प्रकृति चिकित्सा का आयुर्वेद मे उपयोगिता का महत्व बताते हुए कहा कि जिस तरह आधुनिक चिकित्सा पद्धति में बीमारी का पता कुछ लैब टेस्ट और जांचों की मदद से लगाया जाता है। उसी तरह आयुर्वेद में भी बीमारी की पहचान करने के कई तरीके हैं। इनमें नाड़ी परीक्षण प्रमुख है।

आयुर्वेद की ओर देख रहा है विश्व : प्रो. अवधेश

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के वाग्भट्ट सत्र 2023-24 के नवप्रवेशित छात्रों के पंद्रह दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या का गुरुवार को समापन हुआ।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षा पाठ्यचर्या का हुआ समापन

मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद महायोगी गुरु गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि यह पाठ्यचर्या आयुर्वेद को समझने की शुरुआत है। छात्रों का सौभाग्य है कि वे गुरु गोरक्षनाथ की पावन भूमि में शिक्षा ग्रहण करने आये हैं। अतः उन पर चिकित्सक के साथ चरित्रवान मनुष्य भी बनने की जिम्मेदारी है। प्रो. सिंह ने कहा कि आज का युग आयुर्वेद का स्वर्णिम युग है। पूरा विश्व आयुर्वेद की ओर देख रहा है। वह समय दूर नहीं जब भारत विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा और इसके सूत्रधारों में आयुर्वेद के विद्यार्थी भी होंगे।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारम्भ करते कुलपति गोरखनाथ आयुष विधि डा. अवधेश कुमार सिंह साथ में कुलपति गोरखनाथ विधि मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी व अन्य।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि छात्र इतने सशक्त बनें कि स्वयं जीविकोपार्जन करते हुए कम से कम 5 अन्य को भी जीविका दें। दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन समारोह में अकादमिक प्रभारी डा. नवीन ने कहा कि इस कालेज में अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा, अच्छे शिक्षक मिलेंगे जो पूर्वनिर्धारित लेशन प्लान से पढ़ाएंगे। यह सौभाग्य की बात है कि यहां के विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, योगिराज योगी आदित्यनाथ के स्वर्णिम स्वप्न के भागीदार बन रहे हैं। स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस एवं आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ पियूष वर्षा ने किया। समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आयुर्वेद की ओर देख रहा पूरा विश्व : प्रो. अवधेश

भास्कर ब्यूरो

● गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षा पाठ्यचर्या का समापन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के वाग्भट्ट सत्र 2023-24 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या का गुरुवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रोफेसर डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पाठ्यचर्या आयुर्वेद को समझने की शुरुआत है। विद्यार्थियों का सौभाग्य है कि वे गुरु गोरक्षनाथ की पावन भूमि में शिक्षा ग्रहण करने आये हैं। अतः उन पर चिकित्सक के साथ चरित्रवान मनुष्य भी बनने की जिम्मेदारी है। प्रो. सिंह ने कहा कि आज का युग आयुर्वेद का स्वर्णिम युग है। पूरा विश्व आयुर्वेद की ओर देख रहा है। वह समय दूर नहीं जब भारत विश्वगुरू के रूप में स्थापित होगा और इसके सूत्रधारों में आयुर्वेद के विद्यार्थी भी होंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विद्यार्थी इतने सशक्त बनें कि स्वयं जीविकोपार्जन करते हुए कम से कम 5 अन्य को भी जीविका दें। दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन समारोह में अकादमिक प्रभारी डॉ नवीन ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस कॉलेज अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा, अच्छे शिक्षक मिलेंगे जो पूर्वनिर्धारित लेशन प्लान से पढाएंगे। यह सौभाग्य की बात है कि यहां के विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वर्णिम स्वप्न के भागीदार बन रहे हैं। स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस एवं आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ पियूष वर्षा ने किया। समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

Information given to students about the benefits of both IT and Artificial Intelligence

Gorakhpur, Bureau: Dr. Prasanna Kulkarni, Head of the Department of Health, Kalbirveshwar Swami Ayurvedic Medical College, Vijayanagar Bangalore, connected with the students through virtual medium in the initiation course of Guru Gorakshanath Institute of Medical Sciences Ayurvedic College, operated under Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur. Told the students about the benefits of both Intelligence. Told the students of Ayurveda about how modern technology has made our daily life easier, how to do it, like these technologies proved helpful to us during the pandemic. In the field of medicine, keeping the information of patients in digital form, IT and AI in health information exchange. Told about the usefulness of AI. In the field of Ayurveda medicine, students were taught in very simple ways about the use of IT and AI in patient examination, disease examination, selection of medicines, proper diet, selection of treatment, etc. Told from. In the next session of Diksha Curriculum, Acharya Vaidya Sushil Dubey of BHU Kriya Body, while explaining to the students the importance of Nadi and nature therapy in Ayurveda, said that just as in modern medical system, the disease is diagnosed with the help of some lab tests and investigations. is applied. Similarly, in Ayurveda also there are many ways to identify the disease. Among these, pulse test is the main one. In this, diseases are detected by measuring the pulse rate of the patient. The best time to check the pulse is in the morning on an empty stomach.

Generally, the speed of pulse is seen in the right hand of men and the left hand of women. When the patient has fever, the pulse becomes faster and feels slightly hot when touched. When excited or angry, the pulse speed becomes faster. If the patient's pulse is like the movement of a swan and he looks happy, it indicates that the patient will be healthy. In this way the importance of pulse examination was explained. Addressing the students in the last session of the curriculum, senior doctor of Ayurveda, Vaidya Akash Chand Tripathi informed the students about the ancient and important purification therapy of Ayurveda, Panchakarma. In Panchakarma, the main Karmas of Vamana, Virechana, Basti, Nasya and Rakta Mokshan methods were introduced through video. First diagnose the disease and then treat it. Principal of Ayurveda College, Dr. Manjunath N. was mainly present in the program. S and Dr. Piyush Varsha, Dr. Pragya Singh, Acharya Sadhvi Nandan Pandey, Dr. Sarvbhaum etc. all the students were present.

आयुर्वेद की ओर देख रहा पूरा विश्व -प्रो अवधेश

गोरखपुर,१९ अक्टूबर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेद कॉलेज के वाग्भट्ट सत्र 2023.24 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या का गुरुवार को समारोहपूर्वक समापन हुआ।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्विद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रोफेसर डा.अवधेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पाठ्यचर्या आयुर्वेद को समझने की शुरुआत है। विद्यार्थियों का सौभाग्य है कि वे गुरु गोरक्षनाथ की पावन भूमि में शिक्षा ग्रहण करने आये हैं। अतः उन पर चिकित्सक के साथ चरित्रवान मनुष्य भी बनने की जिम्मेदारी है। प्रो. सिंह ने कहा कि आज का युग आयुर्वेद का स्वर्णिम युग है। पूरा विश्व आयुर्वेद की ओर देख रहा है। वह समय दूर नहीं जब भारत विश्वगुरू के रूप में स्थापित होगा और इसके सूत्रधारों में आयुर्वेद के विद्यार्थी भी होंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विद्यार्थी इतने सशक्त बनें कि स्वयं जीविकोपार्जन करते हुए कम से कम 5 अन्य को भी जीविका दें। दीक्षा पाठ्यचर्या के समापन समारोह में अकादमिक प्रभारी डॉ नवीन ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस कॉलेज अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा, अच्छे शिक्षक मिलेंगे जो पूर्वनिर्धारित लेशन प्लान से पढाएंगे। यह सौभाग्य की बात है कि यहां के विद्यार्थी इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वर्णिम स्वप्न के भागीदार बन रहे हैं। स्वागत उद्बोधन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस एवं आभार ज्ञापन सह आचार्य डॉ पियूष वर्षा ने किया। समारोह में आयुर्वेद कॉलेज के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

रोगियों का डाटा रखें आयुर्वेद चिकित्सक

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दीक्षा पाठ्यचर्या में सम्बोधित करते काशी हिन्दू विवि के सहायक आचार्य डा.अनुराग पाण्डेय।

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में चल रहे दीक्षा पाठ्यचर्या में बुधवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सहायक अचार्य डा. अनुराग पांडेय ने रीसेंट एडवांसमेंट इन आयुर्वेदा विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि आयुर्वेद प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद के प्रसार एवं विकास के लिए आयुष मंत्रालय शोध को बढ़ावा दे रहा है। आयुष मंत्रालय का 2023-24 के बजट में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

डा. पांडेय ने कहा कि भारत में बहुत से चिकित्सक आयुर्वेद पद्धति से प्रैक्टिस करते हैं लेकिन वे अपने रोगियों का डाटा बहुत कम रखते हैं। इस कारण प्रमाणिकता नहीं सिद्ध हो पाती। यदि सभी आयुर्वेद चिकित्सक अपने द्वारा ठीक किये रोगियों के डाटा इकट्ठा कर इनका पेपर पब्लिश करवा दें तो यह और प्रामाणिक हो जायेगा।

डा. पांडेय ने कहा कि भारत का मलेशिया, कोलंबिया, नेपाल, हंगरी आदि उपयोग कर रहे हैं। आयुर्वेद कहता है कि 25 देशों से एमओयू हैं। पहले आयुर्वेद दवा चूर्ण, चटनी के रूप मे उपलब्ध थी आज बहुत सी दवा के कैप्सूल, टेबलेट्स बन गए हैं जो प्रयोग करने में सरल हैं। पांडेय ने कहा कि आहार का विवरण सबसे अच्छा आयुर्वेद में है।

आधुनिक चिकित्सक भी इसको जितना पचा सको उतना खाओ। जेनेटिक्स का भी वर्णन आयुर्वेद मे 5000 वर्ष पूर्व दिया गया है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजुनाथ एनएस, डॉ. पीयूष वर्षा, डॉ. सार्वभौम, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. विनम्र आदि की उपस्थिति रही।

बालिकाओं को अब तोड़नी होगी चुप्पी : डॉ. मंजू सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान ने मिशन शक्ति 4.0 के अंतर्गत मानव श्रृंखला एवं बालिका शपथ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डा. मंजू सिंह विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी (राष्ट्रीय सेवा योजना) उत्तर प्रदेश शासन, कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी एवं कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत बनायी मानव श्रृंखला, ली शपथ

स्वयंसेविका शगुन शाही द्वारा सभी को बालिका शपथ दिलाई गई। लोगों ने बालिकाओं की सुरक्षा और उन्हें स्वावलंबी बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. मंजू सिंह ने कहा कि अब बालिकाओं को चुप्पी तोड़नी होगी और आगे बढ़ना होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि वह अपनी कक्षा में सर्वे कराकर यह पता लगाएं बालिकाओं को कहां सुरक्षा की जरूरत पड़ती है। उसके उपरांत बनाई गई मानव श्रृंखला में 758 छात्रों ने प्रतिभाग किया। आयोजन को सफल बनाने में कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे, नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा, अधिष्ठता कृषि संकाय डा. विमल दूबे, पैरामेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. रोहित श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास कुमार यादव, सत्यभामा, अमृता, धन्नजय पाण्डेय एवं प्रज्ञा पाण्डेय आदि का योगदान रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि. में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित मानव श्रृंखला कार्यक्रम में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी व अन्य।

शिविर में 51 लोगों ने किया रक्तदान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना ने डेंगू के प्रकोप के कारण हुई रक्त की कमी को देखते हुए समाज सेवा को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीचस्यूट आफ मेडिकल साइंस चिकित्सालय में किया गया।

शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी एवं कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने चिकित्सालय में स्थापित बाबा गोरखनाथ की पूजा अर्चना के बाद दीप प्रज्वलन कर किया। औपचारिक उद्घाटन के बाद कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव एवं आयुर्वेद कालेज के सहायक प्राध्यापक डा. शंकर दयाल उपायाय ने रक्तदान किया। इसके उपरांत विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रों में डा. गोपी कृष्णा, सागर जायसवाल, आदि का योगदान रहा।

सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकलते गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र।

सड़क सुरक्षा के लिए निकाली जागरूकता रैली

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदायनाथ इकाई के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सडक सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसे सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ सुनील कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखा कर प्रारंभ किया। यह रैली विश्वविद्यालय गेट सामने से होती हुई बालापार, सोनबरसा, सिकटोर,मानीराम गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी तथा भविष्य में इसके पालन करने को प्रेरित किया।

epaper हिन्दुस्तान

महायोगी गोरखनाथ विवि में 51 छात्रों ने किया रक्तदान

गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप राव ने शिविर में रक्तदान किया।

शिविर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। पूर्वी यूपी में डेंगू का प्रकोप फैला हुआ है। इसमें मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ाना पड़ रहा है। मरीजों के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ने बड़ी पहल की। विवि की एनएसएस टीम ने शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस चिकित्सालय में किया।

उद्घाटन विश्वविद्यालय के ... किया। इसके बाद डॉ गोपी कृष्णा, सागर जायसवाल, अंशिका सिंह, कृष्णा त्रिपाठी, रश्मि जायसवाल, अमृता सिंह, ऋषि सिंह, नीतू शुक्ला, रागिनी त्रिपाठी, केशव राय, मान त्रिपाठी, नीतेश प्रताप सिंह, पूजा सिंह, निधि कुशवाहा, विपुल प्रजाप्रति, रागिनी श्रीवास्तव, प्रीति गुप्ता, नीतेश पासवान, अर्पणा चतुर्वेदी समेत 51 छात्रों ने रक्तदान किया।

गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक की टीम मौजूद रही। अस्पताल प्रबंधक डॉ जीके मिश्रा, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे,

महायोगी गोरखनाथ विवि के रक्तदान शिविर में 51 यूनिट ब्लड संग्रहित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना ने डेंगू के प्रकोप के कारण हुई रक्त की कमी को देखते हुए समाज सेवा को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार को गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंस चिकित्सालय में किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेयी एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने चिकित्सालय में स्थापित बाबा गोरखनाथ की पूजा अर्चना के बाद दीप प्रज्वलन कर किया। औपचारिक उद्घाटन के बाद कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव एवं आयुर्वेद कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ.शकर दयाल उपाध्याय ने रक्तदान किया। इसके उपरांत विश्वविद्यालय में कार्यरत अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों में डॉ गोपी कृष्णा, सागर जायसवाल, अंशिका सिंह, कृष्णा त्रिपाठी, रश्मि जायसवाल, अमृता सिंह, ऋषि सिंह, नीतू शुक्ला, रागिनी त्रिपाठी, केशव राय, मान त्रिपाठी, नीतेश प्रताप सिंह, पूजा सिंह, निधि कुशवाहा, विपुल प्रजाप्रति, रागिनी श्रीवास्तव, प्रीति गुप्ता, नीतेश पासवान, अर्पणा चतुर्वेदी आदि ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर की समाप्ति के समय कुल 51 यूनिट ब्लड गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक एवं कंपोनेंट्स सेंटर को समाज सेवा के लिए समर्पित किया गया।

शिविर को सफल बनाने में अस्पताल प्रबंधक डॉ जीके मिश्रा, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे, सत्यभामा, डॉ. विकास कुमार यादव राष्ट्रीय कैडेट कोर के डॉ.हरिकृष्ण, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक कामिनी चौरसिया, अमन, विष्णु, अशोक, यशवीर, सिमरन यादव, शुभम, इवा लाबिया, दिविज्या , अभिजीत आदि का सराहनीय योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदायनाथ इकाई के रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सडक सुरक्षा अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसे सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ सुनील कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखा कर प्रारंभ किया गया। इस अभियान में समस्त विद्यार्थियों ने रोड सेफ्टी क्लब रैली निकाली,जो विश्वविद्यालय गेट सामने से होती हुई बालापार स्थित विभिन्न गांव सोन बरसा, सिकटोर,मानीराम गई जहां जनमानस को सड़क सुरक्षा संबंधित नियमो से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी तथा भविष्य में इसके पालन करने को प्रेरित किया।

देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शुमार होगा महायोगी गोरखनाथ विवि

कार्य परिषद की बैठक में हुआ रोड मैप पर मंथन, स्थापना के पांचवें वर्ष तक नैक की श्रेष्ठतम ग्रेडिंग हासिल करने की भी तैयारी, अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर कार्य परिषद की लगी मुहर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के रोड मैप पर रविवार को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में विशद मंथन हुआ। कार्य परिषद ने इसके बाद पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने, परिसर की संस्कृति को विशेष बनाने के साथ देश के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की कार्य एवं शिक्षा संस्कृति का अध्ययन करने का निर्णय लिया है। 70 बिंदुओं पर हुई बैठक में कार्य परिषद ने जहां विश्वविद्यालय की स्थापना के पांचवें वर्ष तक श्रेष्ठ नैक ग्रेडिंग हासिल करने का लक्ष्य तय किया, वहीं अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी मुहर लगाई गई। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने सभी 70 बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया। इसके अनुसार अगले शैक्षिक सत्र से बीएससी आनर्स

(फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, जूलॉजी, बॉटनी), बीबीए (लॉजिस्टिक, हेल्थकेयर), बीसीए, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फोरेंसिक साइंस, बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री, बीएससी आनर्स (क्लीनिकल साइकोलॉजी, न्यूट्रीशियन एंड डाइटीशियन) के कोर्स शुरू किए जाएंगे। कार्य परिषद ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शोध संस्थान की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया है। इस हेतु समस्त औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कुलपति की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय समिति के गठन की मंजूरी दी गयी। समिति में डॉ डीएस अजीथा प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग, प्रोफेसर सुनील कुमार अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा डॉ विमल कुमार दूबे अधिष्ठाता कृषि संकाय सम्मिलित हैं। कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार योजना शुरू करने, इनोवेशन व स्टार्टअप को बढ़ावा देने, और अधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शुरू करने, ऑनलाइन-ऑफलाइन वैल्यू एडेड कोर्स चलाने, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की तर्ज पर मूल्यांकन प्रणाली शुरू करने के साथ ही हर तीन वर्ष पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। कार्य परिषद की बैठक में रामजनम सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ सीएम सिन्हा, डॉ डीएस अजीथा, डॉ शोभा गौड़ आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय गोरखपुर, डॉ प्रिंसी जी, डॉ प्रज्ञा सिंह तथा संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शुमार होगा महायोगी गोरखनाथ विवि

कार्य परिषद की बैठक में हुआ रोड मैप पर मंथन
स्थापना के पांचवें वर्ष तक नैक की श्रेष्ठतम ग्रेडिंग हासिल करने की भी तैयारी
अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर कार्य परिषद की लगी मुहर

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के रोड मैप पर रविवार को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में विशद मंथन हुआ। कार्य परिषद ने इसके बाद पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने, परिसर की संस्कृति को विशेष बनाने के साथ देश के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की कार्य एवं शिक्षा संस्कृति का अध्ययन करने का निर्णय लिया है। 70 बिंदुओं पर हुई बैठक में कार्य परिषद ने जहां विश्वविद्यालय की स्थापना के पांचवें वर्ष तक श्रेष्ठ नैक ग्रेडिंग हासिल करने का लक्ष्य तय किया, वहीं अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी मुहर लगाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्य परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने सभी 70 बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया। इसके अनुसार अगले शैक्षिक सत्र से बीएससी आनर्स (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, जूलॉजी, बॉटनी), बीबीए (लॉजिस्टिक, हेल्थकेयर), बीसीए, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फोरेंसिक साइंस, बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री, बीएससी आनर्स (क्लीनिकल साइकोलॉजी, न्यूट्रीशियन एंड डाइटीशियन) के कोर्स शुरू किए जाएंगे।

कार्य परिषद ने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शोध संस्थान की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया है। इस हेतु समस्त औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कुलपति की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय समिति के गठन की मंजूरी दी गयी। समिति में डॉ डीएस अजीथा प्राचार्य गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग, प्रोफेसर सुनील कुमार अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा डॉ विमल कुमार दूबे अधिष्ठाता कृषि संकाय सम्मिलित हैं।

कार्य परिषद की बैठक का एक महत्वपूर्ण बिंदु नैक मूल्यांकन का रहा। परिषद ने नैक मूल्यांकन के दृष्टिकोण से अभी से वांछित कार्यवाही किए जाने हेतु समयबद्ध कार्यवाही किए जाने पर जोर दिया ताकि स्थापना के पांचवें साल तक उत्कृष्ट नैक ग्रेडिंग हासिल की जा सके। यह भी तय किया गया कि पाठ्यक्रमों को दो से तीन सदस्यों में विभक्त कर नैक समितियों से कार्य कराया जाए।

कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार योजना शुरू करने, इनोवेशन व स्टार्टअप को बढ़ावा देने, और अधिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शुरू करने, ऑनलाइन-ऑफलाइन वैल्यू एडेड कोर्स चलाने, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की तर्ज पर मूल्यांकन प्रणाली शुरू करने के साथ ही हर तीन वर्ष पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। कार्य परिषद की बैठक में रामजनम सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ सीएम सिन्हा, डॉ डीएस अजीथा, डॉ शोभा गौड़ आचार्य दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्विद्यालय गोरखपुर, डॉ प्रिंसी जी, डॉ प्रज्ञा सिंह तथा संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

टॉप-10 विश्वविद्यालयों में शुमार होगा महायोगी गोरखनाथ विवि

- पांच साल में नैक की श्रेष्ठतम ग्रेडिंग हासिल करने की तैयारी
- कार्य परिषद ने सभी 70 बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय देश के 10 श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के रोड मैप पर रविवार को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में 70 बिन्दुओं पर मंथन हुआ। पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाने, परिसर की संस्कृति को विशेष बनाने के साथ देश के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की कार्य एवं शिक्षा संस्कृति का अध्ययन करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय की स्थापना के पांचवें वर्ष तक श्रेष्ठ नैक ग्रेडिंग हासिल करने का लक्ष्य तय किया, वहीं अगले सत्र से कई महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों के संचालन पर भी मुहर लगाई गई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता एवं कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई। उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि कार्य परिषद ने सभी 70 बिंदुओं पर अनुमोदन प्रदान किया। कार्य परिषद ने विश्वविद्यालय में शोध संस्थान की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया है। इसकी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए कुलपति की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय समिति के गठन की मंजूरी दी गयी। बैठक का एक महत्वपूर्ण बिंदु नैक मूल्यांकन का रहा। परिषद ने अगले पांच साल में उत्कृष्ट नैक ग्रेडिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखा। यह भी तय किया गया कि पाठ्यक्रमों को दो से तीन सदस्यों में विभक्त कर नैक समितियों से कार्य कराया जाए। बैठक में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार योजना शुरू करने, इनोवेशन व स्टार्टअप को बढ़ावा देने, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शुरू करने, ऑनलाइन-ऑफलाइन वैल्यू एडेड कोर्स चलाने, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की तर्ज पर मूल्यांकन प्रणाली शुरू करने, हर तीन वर्ष पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। बैठक में रामजनम सिंह, प्रमथनाथ मिश्र, डॉ सीएम सिन्हा, डॉ डीएस अजीथा, डॉ शोभा गौड़, डॉ प्रिंसी, डॉ प्रज्ञा सिंह तथा प्रेम कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में रविवार को कार्यपरिषद की बैठक हुई।

इन कोर्सों के संचालन पर लगी मुहर

कार्यपरिषद द्वारा लिए गए निर्णय के मुताबिक अगले शैक्षिक सत्र से फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, जूलॉजी, बॉटनी, क्लीनिकल साइकोलॉजी, न्यूट्रीशियन एंड डाइटीशियन में बीएससी आनर्स, लॉजिस्टिक, हेल्थकेयर में बीबीए , बीसीए, ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फोरेंसिक साइंस, बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री के कोर्स शुरू किए जाएंगे।

GU will promote drone based education University signed tripartite settlement agreement

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: In view of the huge demand for drone-based employment-oriented education, Mahayogi Gorakhnath University, Gorakhpur has entered into a tripartite MoU. Through this MoU, youth will get employment and farmers will get opportunity to engage in agriculture related activities.

On Friday, a Memorandum of Understanding (MoU) was signed between Mahayogi Gorakhnath University Droneer Aviation Private Limited and Engineer Ajay Kumar

Yadav for exchange of "Remote Pilot Training" and related educational activities. On this occasion, Vice Chancellor of the University, Major General Dr. Atul Vajpayee said that this step has been taken by the University keeping in mind the ever-increasing possibility of drone-based vocational education and its non-availability in Eastern Uttar Pradesh. Through this MoU, farmers and agriculture related youth of Eastern Uttar Pradesh will get a golden opportunity of employment. Registrar Dr. Pradeep Kumar Rao and MOU coordinator Dr. Vimal Kumar Dubey etc. were also present during MOU.

गोरखनाथ विवि के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर किया पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। अमृत कलश यात्रा और अमृत महोत्सव के समापन समारोह में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व किया। विवि के छात्र शिवम पांडेय को 28 से 31 अक्तूबर तक गोरखपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

शिवम पांडेय

शगुन शाही

अंजलि सिंह

वे विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र एव राष्ट्रीय सेवा योजना के महायोगी उदयनाथ इकाई के स्वयंसेवक हैं। दिल्ली में देश भर के 28 राज्य 8 केंद्रीय शासित प्रदेश 55 केंद्रीय मंत्रालय के लोग वहां पर 31 अक्तूबर को कर्तव्य पथ पर एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। शिवम ने कहा की इस कार्यक्रम में शामिल होकर भाग्यशाली और गौरवशाली मानते हैं। वह गोरखनाथ विश्वविद्यालय के छात्र हैं। इसके अंतर्गत उन्हें कई राज्यो के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात करने को मौका मिला। वहीं विश्वविद्यालय की ही दो छात्राओं का चयन गणतंत्र दिवस की परेड के लिए हुआ है। यह है बीएससी बायोटेक्नोलॉजी द्वितीय वर्ष की शगुन शाही और एमएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी द्वितीय वर्ष की अंजलि सिंह। इनका चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया गया है। तीनों छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दी।

Two day training program held at Gorakshanath College of Nursing

JEEVAN EXPRESS BUREAU

GORAKHPUR: A two-day training program was organized under the "Chuppi Tod Halla Bol" program under the joint aegis of India Pesticides Limited and Samadhan Abhiyan on Saturday at Guru Shri Gorakshanath College of Nursing, Gorakhpur University. In this two-day training, Samadhan Abhiyan Director Mrs. Sheelam Bajpai and Mrs. Soumya Dwivedi gave information about methods of prevention of child sexual abuse and POCSO Act to the participants. Mrs. Sheelam Bajpai said that the main objective of this program is to prepare trainers. So that he can go to the villages with the Mission Shakti team and share this information. Mrs. Soumya Dwivedi gave information about the ongoing Mission Shakti program in Hardoi. This program was organized by Dr. D.S., Principal of Guru Shri Gorakshanath College of Nursing. Organized under the leadership of Ajitha. SNA Incharge Ms. Sweta Albert, Subham and Program Coordinator Ms. Anamika Jaiswal were present in the program.

ड्रोन आधारित शिक्षा को बढ़ावा देगा महायोगी गोरखनाथ विवि

विवि ने किया त्रिपक्षीय समझौता करार

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। ड्रोन आधारित रोजगारपरक शिक्षा की अत्यधिक मांग को देखते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने त्रिपक्षीय समझौता करार (एमओयू) किया है। इस एमओयू के जरिये नौजवानों को रोजगार और किसानों को कृषि से संबंधित गतिविधियों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, ड्रोनियर एविएशन प्राइवेट लिमिटेड एवं इंजीनियर अजय कुमार यादव के बीच ÷रिमोट पायलट ट्रेनिंग÷ और इससे संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों के आदान-प्रदान हेतु समझौता करार (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी ने कहा कि ड्रोन आधारित रोजगारपरक शिक्षा की नित बढ़ती संभावना और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी अनुपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा यह कदम उठाया गया है। इस समझौता करार के माध्यम से पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों एवं कृषि से संबंधित नौजवानों को रोजगार का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। समझौता करार होने के दौरान कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव एवं एमओयू समन्वयक समन्वयक डॉ विमल कुमार दूबे आदि भी उपस्थित रहे।

धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल का उद्घाटन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के तहत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साईंसेस आयुर्वेद कालेज में शनिवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती एवं शरद पूर्णिमा के पावन दिन पर धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल का विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेई ने दीप प्रज्वलित कर किया।

आयुर्वेद कालेज

इसके बाद कुलपति डा. बाजपेई ने कहा कि धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल 15 दिन तक चलेगा जिसमे प्रत्येक दिन आयुर्वेद के जागरूकता एवं इसके महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे एवं एक राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी। 10 नवंबर आयुर्वेद दिवस धन्वंतरि पूजा, हवन भी आयोजित किया जाएगा। आयुष मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद के संदेशों को जन- जन तक पहुंचने के लिए आयुष मंत्रालय ने हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम निर्धारित की है। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने स्वागत जबकि आभार ज्ञापन डा. नवीन के किया।

महर्षि बाल्मीकि जयन्ती व शरद पूर्णिमा के अवसर पर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज आयुर्वेदिक कालेज में आयोजित धन्वंतरि आयुर्वेद फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित करते कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल बाजपेयी।

निमार्णाधीन परिसर

01 निमार्णाधीन प्राध्यापक आवास

02 निर्माणाधीन फार्मेसी संकाय

03 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह दृश्य–1

04 निर्माणाधीन प्रेक्षागृह दृश्य–2

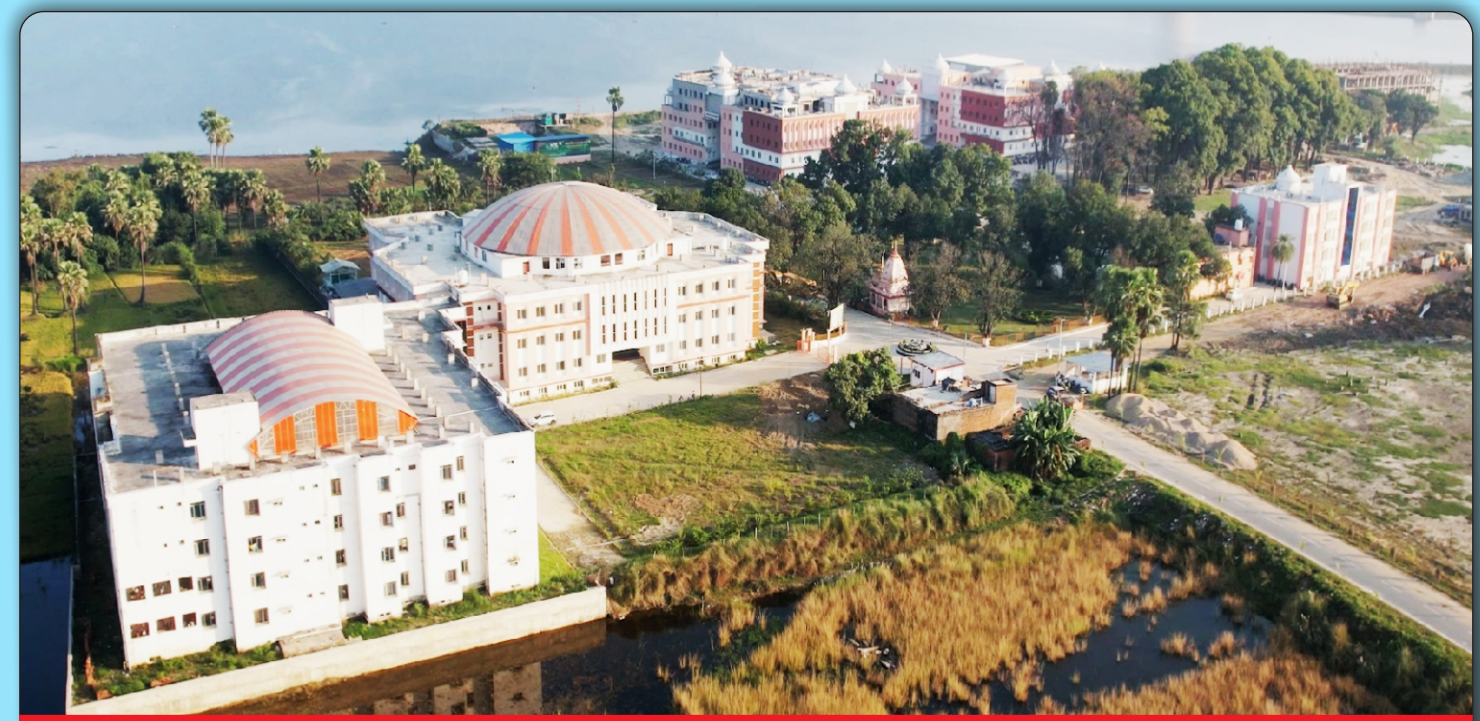

05 विश्वविद्यालय परिसर का वायवीय दृश्य

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

01 डॉ. राजकिशोर एवं डॉ. नवीन के.

02 श्रीमती नीलम बाजपेई

03 प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

04 डॉ. नवीन के., माननीय कुलपति जी, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. एवं डॉ. पीयूष वर्षा

05 डॉ. शरद मणि त्रिपाठी

06 श्री विमल मोदी

07 श्री सुब्बा राव

08 नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं

09 माननीय कूलपति जी एवं डॉ. मंजू सिंह

10 आयुर्वेद के विद्यार्थी एवं प्राध्यापकगण

11 ई. अजय कुमार यादव, श्री आर.एस. सिंह, माननीय कुलपति एवं डॉ. अजीत कुमार शाशनी

प्रधान सम्पादक
डॉ. विमल कुमार दूबे

सम्पादक
प्रभा शर्मा

संपादक मण्डल
श्री रोहित श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. गणेश लाल एवं अनामिका जायसवाल

ग्राफिक्स डिजाइनर: श्री शारदानन्द पाण्डेय

mguniversitygkp@mgug.ac.in https://www.mgug.ac.in/
+91-9415266014, +91-9935904499, +91-9794299451
Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur